Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-09 01-15 मई, 2023 (पाक्षिक) ₹20

'तमिल संस्कृति और तमिल लोग दोनों शाश्वत और वैश्विक प्रकृति के हैं'

भाजपा मतलब राष्ट्रवाद एवं विकास

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में 14 अप्रैल, 2023 को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

हुबली (कर्नाटक) में 18 अप्रैल, 2023 को एक बौद्धिक सभा को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

हावेरी (कर्नाटक) में 19 अप्रैल, 2023 को एक विशाल रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई

दक्षिण गोवा में 16 अप्रैल, 2023 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

भरतपुर (राजस्थान) में 15 अप्रैल, 2023 को 'बूथ अध्यक्ष संकल्प महासम्मेलन' के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

सोमनाथ (गुजरात) में 17 अप्रैल, 2023 को 'सौराष्ट्र तमिल संगम' का उद्घाटन करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह। इस अवसर पर तेलंगाना की राज्यपाल श्रीमती तमिलिसाई सुंदरराजन और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित रहे

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा ने कर्नाटक के गरीबों एवं किसानों की चिंता की है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 अप्रैल, 2023 को हुबली (कर्नाटक) में भाजपा के हुबली संभाग के शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और...

08 'कर्नाटक में विकास की गति को और तेज करनी है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 अप्रैल, 2023 को...

13 'भाजपा कार्यकर्ता बाबासाहेब के बताये रास्ते पर चलने के लिए कृतसंकल्पित'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 अप्रैल, 2023...

24 असम ए-वन राज्य बनता जा रहा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल को असम के गुवाहाटी के सरुसजई स्टेडियम में 10,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न...

32 प्रधानमंत्री ने विश्व बौद्ध शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अप्रैल को नई दिल्ली स्थित होटल अशोक में विश्व बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र...

वैचारिकी

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा / **अटल बिहारी वाजपेयी** 20

साक्षात्कार

जनता मोदीजी को अपनी आकांक्षाओं के वाहक के रूप में देखती है: जगत प्रकाश नड्डा 09

लेख

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) : जिसने आपके 40,000 करोड़ रुपये बचाए 26

जैसाकि 'मन की बात' 100 के आंकड़े को छू रहा है; इसने देश भर में बड़े पैमाने पर जन प्रयासों को एक नयी गति दी है 28

जी20 की अध्यक्षता 'ग्लोबल कॉमन' के मुद्दों के समाधान के प्रधानमंत्री मोदीजी के संकल्प को दर्शाता है 30

अन्य

कर्नाटक विधानसभा चुनाव - 2023: एक रिपोर्ट 10

दीदी और भतीजे के जुर्म और जुल्म को हटाने का एकमात्र रास्ता है भाजपा : अमित शाह 14

'भाजपा नीत एनडीए सरकार में नॉर्थ-ईस्ट का विकास हो रहा है' 15

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ई ग्राम स्वराज व सरकारी ई मार्केटप्लेस का किया एकीकरण 19

मोदी स्टोरी 22

कमल पुष्प 22

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय रोजगार मेले को किया संबोधित 23

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

'विकसित भारत' के लिए आवश्यक है कि हमारा सिस्टम देशवासियों के लिए हर प्रकार से मददगार बना रहे और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करता रहे।

(21 अप्रैल, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य श्रद्धेय सुंदर सिंह भंडारी जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा व समाज कल्याण को समर्पित रहा। उनका तपस्वी जीवन व संगठन कौशल असंख्य कार्यकर्ताओं की प्रेरणा बनकर पथ आलोकित करता है। आज उनकी जयंती पर सादर नमन करता हूं। (12 अप्रैल, 2023)

अमित शाह

कांग्रेस की सरकारों ने गरीबों और अमीरों के दो देश बना दिए थे। मोदी सरकार ने 80 करोड़ जनता तक अनाज, बिजली, शौचालय, शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं देकर उन्हें देश के अर्थतंत्र से जोड़ा है।

(22 अप्रैल, 2023)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का पुनर्जागरण हो रहा है। साथ ही भारत की सैन्य और सामरिक परंपराओं को समृद्ध करने और सम्मान देने का बीड़ा भी उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने उठाया है। (14 अप्रैल, 2023)

बी.एल. संतोष

कर्नाटक कांग्रेस की हताशा देखिए। यहां तक कि डॉ. परमेश्वर जैसे नेता भी प्रतिबंधित पीएफआई के राजनीतिक मोर्चे एसडीपीआई से समर्थन मांग रहे हैं। विचार-विहीन, बेहतर कर्नाटक का संकल्प दिखाकर कांग्रेस फिर से कर्नाटक को सांप्रदायिकता की ओर धकेलने का प्रयास कर रही है। (15 अप्रैल, 2023)

सर्बानंद सोनोवाल

प्रमुख बंदरगाह न केवल आर्थिक विकास के वाहक हैं, बल्कि एक हरित ग्रह की दिशा में भी प्रमुख योगदानकर्ता हैं। ऐसे ही एक प्रयास में वी.ओ. चिदम्बरनार पोर्ट, तुतुकुडी में 10,000 पौधे लगाए गए।

(22 अप्रैल, 2023)

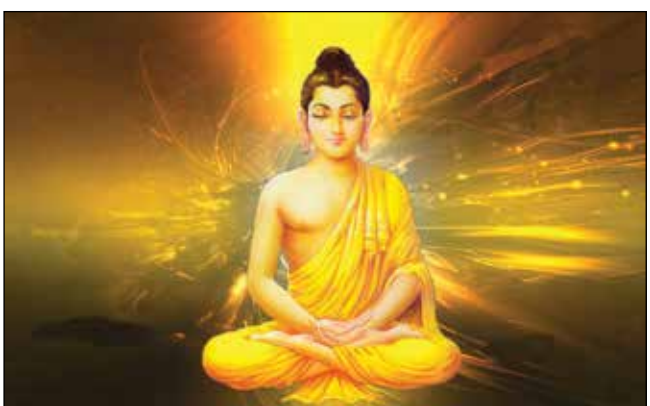

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
बुद्ध पूर्णिमा (5 मई)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

समृद्धि और स्वर्णिम भविष्य की ओर कर्नाटक

अब जबकि कर्नाटक में चुनाव का बिगुल बज चुका है, भाजपा पुनः जन-जन की सबसे प्रिय पार्टी बनकर उभरी है। एक ओर जहां डबल-इंजन सरकार की उपलब्धियां अपार हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा की विकासोन्मुख नीतियां एवं 'परफॉरमेंस' की राजनीति पर जन-जन का विश्वास और भी अधिक सुदृढ़ हुआ है। भाजपा ने न केवल एक ऐसी सरकार दी है जिसके पास भविष्य के लिए एक दृष्टि है, बल्कि इसने कांग्रेस-जद (से.) की भ्रष्ट एवं सिद्धांतहीन राजनीति के दलदल से भी प्रदेश को निकाला है। पिछले चुनाव में जनता द्वारा खारिज होने के बावजूद जिस प्रकार से कांग्रेस एवं जद (से.) सत्ता से चिपकी रही, प्रदेश की जनता अभी भूली नहीं है। यह भारी जन दबाव का ही परिणाम था कि कांग्रेस-जद (से.) का अपवित्र गठबंधन ध्वस्त हुआ और भाजपा ने श्री बीएस येदियुरप्पा के मुख्यमंत्रित्व में सरकार बनायी। जनता का आशीर्वाद उनके समर्थन के रूप में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के प्रयासों को निरंतर ऊर्जा दे रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में कर्नाटक की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को एक नई गति दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई एवं पूर्व-मुख्यमंत्री श्री बीएस येदियुरप्पा ने कर्नाटक को न केवल कांग्रेस-जद (से.) के कुशासन एवं भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलायी बल्कि एक स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला भी रखी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में कर्नाटक की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को एक नई गति दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई एवं पूर्व-मुख्यमंत्री श्री बीएस येदियुरप्पा ने कर्नाटक को न केवल कांग्रेस-जद (से.) के कुशासन एवं भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलायी बल्कि एक स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला भी रखी। आज कर्नाटक विमान एवं हेलिकॉप्टर निर्माण के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है तथा यहां स्टार्टअप एवं यूनिकॉर्न की संख्या बढ़ रही है। कर्नाटक में हजारों किलोमीटर नए राजमार्ग का निर्माण, नए आईआईटी, विश्व का सबसे लंबा रेलवे प्लेटफॉर्म, वंदे भारत ट्रेन, कैम्पगौड़ा हवाई अड्डा टर्मिनल, बेंगलुरू-मैसूर एक्सप्रेस-वे, टुमकुर में औद्योगिक कॉरीडोर, स्टार्टअप का सशक्त इकोसिस्टम जैसी अनेक उपलब्धियां डबल इंजन सरकार की देन है। भाजपा सरकार के गंभीर प्रयासों का ही परिणाम है कि इनोवेशन इंडेक्स, ईज ऑफ डूईंग बिजनेस, विदेशी मुद्रा निवेश जैसे विकास के मानदंडों पर कर्नाटक का आज देश में अग्रणी स्थान है। जनसेवक योजना, रायता विद्या निधि, स्त्री सामर्थ्य योजना, जगजीवन राम स्वरोजगार योजना, स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति कार्यक्रम, कायक योजना जैसे कार्यक्रमों से समाज के सामाजिक-आर्थिक रूप में कमजोर एवं गरीब वर्गों का व्यापक सशक्तीकरण हो रहा है। भाजपा ने असंवैधानिक 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण को समाप्त कर लिंगायत एवं वोक्कालिगा समुदाय का सशक्तीकरण करते हुए उनके 2-2 प्रतिशत का आरक्षण सुनिश्चित किया है। गरीबों, किसानों, मजदूरों, अनु.जा., अनु.जन.जा., पिछड़ा वर्ग, महिला, युवा और समाज के अन्य वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए अभिनव योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ भाजपा सरकार ने कई भविष्योन्मुखी परियोजनाओं का शुभारंभ कर विभिन्न क्षेत्रों में कर्नाटक को अग्रणी भूमिका में ले आई है।

जहां कर्नाटक में पूर्व की कांग्रेस सरकारें कई तरह के घपले, घोटाले एवं भ्रष्टाचार में लिप्त रहीं तथा कुशासन एवं लूट-खसोट की राजनीति का रिकॉर्ड बनाती रही, वहीं विकास इसके एजेंडों में कभी नहीं रहा। अर्कावती ले-आउट घोटाला, भर्ती घोटाला, लैंड-यूज चेंज घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला जैसे कई घोटालों की कांग्रेस-जद (से.) की सरकार को कौन भूल सकता है? कांग्रेस-जद (से.) की सांप्रदायिक एवं तुष्टीकरण की राजनीति का ही परिणाम है कि प्रदेश में पीएफआई पनपा, परंतु आज भाजपा सरकार द्वारा प्रतिबंधित है। कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति जिसके फलस्वरूप जाति, पंथ, संप्रदाय और क्षेत्र के बीच वैमनस्य का बीजारोपण हुआ, आज भी लोगों को याद है। कांग्रेस के दौर के घावों को 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भरा गया है, वहीं 'अमृतकाल' में संकल्प के साथ एक नया कर्नाटक करवटें ले रहा है। आज जब भाजपा को जन-जन का प्यार एवं समर्थन प्राप्त हो रहा है, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ठीक ही कहा है कि भाजपा की दृष्टि एवं लक्ष्य कर्नाटक के भविष्य को बदलने का है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन, हुबली (कर्नाटक)

भाजपा ने कर्नाटक के गरीबों एवं किसानों की चिंता की है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 अप्रैल, 2023 को हुबली (कर्नाटक) में भाजपा के हुबली संभाग के शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और विचारधारा के आधार पर चलनेवाली पार्टी है। कार्यकर्ता अपनी पूरी ताकत लगाकर अपने प्रत्याशी को विजयी बनाते हैं। भाजपा के जो भी विधायक बन रहे हैं, वे किसी पद या कुर्सी की खातिर नहीं, बल्कि देश और प्रदेश के विकास का लक्ष्य लेकर काम करने के लिए बन रहे हैं, विचारधारा को मजबूती देने के लिए बन रहे हैं।

कर्नाटक को नंबर वन राज्य बनाना है

श्री नड्डा ने कहा कि कर्नाटक में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस चुनाव में एक ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी है जिसका मकसद कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाना है, तो वहीं दूसरी ओर वे लोग हैं जिन्होंने हमेशा धर्म, जाति, संप्रदाय और क्षेत्र के नाम पर देश को बांटने के लिए तत्पर रहे। कांग्रेस ने हमेशा उत्तर-दक्षिण के नाम पर देश को बांटा, जातिवाद की राजनीति की, धर्म की राजनीति की। आज भी कांग्रेस का मकसद कर्नाटक की सत्ता में इसलिए आना है, ताकि प्रदेश को कांग्रेस की एटीएम मशीन बनाकर कर्नाटक के लोगों के पैसे को ट्रांसफर किया जा सके। कांग्रेस ऊपर से लेकर नीचे तक भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में एक ओर राष्ट्रवाद की नींव पर देश को आगे ले जाने वाले लोग हैं, परिवारवाद और वंशवाद को पनपाने और बढ़ाने वाले लोग हैं। वहीं, दूसरी ओर हम लोग हैं जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकासवाद को प्रतिष्ठित करने में लगे हैं। एक ओर भारतीय जनता पार्टी है जो कर्नाटक को 'वन आफ द लीडिंग स्टेट' बनाने का संकल्प लेकर चल रही है, वहीं दूसरी तरफ कर्नाटक को कैसे लूटा जाए, इस मकसद से काम करने वाले लोग हैं।

कांग्रेस का एक ही काम है– 'बांटो और राज करो'

श्री नड्डा ने कहा कि मैं आप सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि आप चुनाव तक जन-जन तक, घर-घर तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन वाली सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाएं। आप हर बूथ तक इन बातों को लेकर जाएं और लोगों को बताएं कि भाजपा की सरकार ने उनके सशक्तीकरण के लिए जो भी किया है, कांग्रेस उसे आपसे छीनने

की कोशिश में लगी हुई है। हमारी सरकार ने लिंगायत और वोक्कालिगा भाइयों का आरक्षण 2-2 प्रतिशत बढ़ा दिया लेकिन कांग्रेस की गलती से भी सरकार बनी तो वह इसे वापिस ले लेने की फिराक में है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार के समय प्रतिबंधित संगठन पीएफआई पर से 175 केस को वापस ले लिया गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार के दौरान लगभग 1700 पीएफआई एक्टिविस्टों को छोड़ा गया। कांग्रेस की सरकार ने कुकर ब्लास्ट के दोषियों को भी बचाने का काम किया। यही कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की उपलब्धि है। सिद्धारमैया ने पीएफआई जैसे संगठन के संरक्षक की तरह काम किया है। ऐसे लोगों को सत्ता में आने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस का एक ही काम है– बांटो और राज करो।

भाजपा जो कहती है, करके दिखाती है

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीतिक कार्यसंस्कृति बदल कर रख दी है। उन्होंने जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति की जगह विकासवाद और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति को देश के विकास का केंद्र बनाया है। भाजपा के नेता जनता के बीच जाते हैं तो अपने केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते नहीं थकते हैं, जबकि कांग्रेस के नेता लोगों के बीच जाते हैं तो वे केवल ये कह सकते हैं कि हमने इसको बांटा, उसको बांटा। हम लोगों के बीच विकास की बात करते हैं, कांग्रेस केवल और केवल एक परिवार की बात करती है। भाजपा जो कहती है, करके दिखाती है। हमने 1952 में संकल्प लिया था कि देश में दो विधान, दो प्रधान और दो संविधान नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर धारा 370 भी धराशायी हुआ।

विकास की कार्यसंस्कृति

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारों की कार्यसंस्कृति विकास की कार्यसंस्कृति है। हुबली में दुनिया का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म बन रहा है। बेलगावी में रेलवे स्टेशन का कायाकल्प हो रहा है। एशिया की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर फैक्ट्री कर्नाटक में लग रही है। कई एयरपोर्ट बनाये गए हैं। कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल बना है। यह कर्नाटक की बदलती तस्वीर है। बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेस-वे बना, धारवाड़ में आईआईटी बानी, हंपी मॉडल रेलवे स्टेशन बना। धारवाड़ और हुबली दोनों स्मार्ट सिटी की सूची में है। यहां हजारों करोड़ों रुपये की योजनाएं आ रही हैं। धारवाड़ से बेंगलुरु वंदे भारत ट्रेन शुरू हो गई है। आज एफडीआई में सबसे अधिक निवेश कर्नाटक में हो रहा है। ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस में कर्नाटक देश के अग्रणी राज्यों में है। स्टार्ट-अप में कर्नाटक सबसे आगे है। इनोवेशन बिजनेस में कर्नाटक सबसे आगे है। ये विकास के नए आयाम हैं। अपने कमल का बटन दबाया है तो विकास आपके घर तक पहुंची है।

श्री नड्डा ने कहा कि हमारे वरिष्ठ नेता बी.एस. येदियुरप्पाजी और हमारे मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मईजी ने कर्नाटक के गरीबों एवं किसानों की चिंता की है। रायता बंधु अभियान के तहत कर्नाटक के लगभग 11 लाख बच्चों को लाभ मिलेगा। किसान, आदिवासी, बुनकर बच्चों का भाग्य इससे बदल रहा है। हमारी राज्य सरकार ने एससी और एसटी आरक्षण को बढ़ाया है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की नीति के आधार पर काम कर रही है। ■

कर्नाटक में पुनः डबल इंजनवाली भाजपा सरकार बनाने का आह्वान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 19 अप्रैल, 2023 को कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज एस. बोम्मई के पक्ष में उनके नामांकन से पहले मेगा रोड शो किया। रोड शो में श्री नड्डा के साथ प्रसिद्ध अभिनेता श्री किच्चा सुदीप भी रथ पर उपस्थित थे। श्री नड्डा ने हावेरी जिला के शिगगांव में रोड शो के पश्चात् तालुक स्टेडियम में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और प्रदेश की जनता से राज्य एक बार पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजनवाली भाजपा सरकार बनाने का आह्वान किया। जनसभा के पश्चात् श्री नड्डा मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई के नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नलिन कटील सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित थे। जनसभा को श्री बसवराज बोम्मई और श्री किच्चा सुदीप ने भी संबोधित किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज हमारे मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन भरने जा रहे हैं। यह नामांकन पत्र सिर्फ विधानसभा का नहीं है, बल्कि कर्नाटक को नई दिशा देने का नामांकन है। इस क्षेत्र में बोम्मई साहब ने लगभग 12 हजार से अधिक घर बनवाये। श्री किच्चा सुदीप ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का काम उन्हें बहुत ही पसंद है। कर्नाटक में भी बोम्मई साहब ने बहुत ही अच्छा काम किया है। हालांकि उन्हें काम करने का मौका बहुत कम समय के लिए मिला, इसलिए उन्हें और अधिक अवसर मिलना चाहिए। आपका उत्साह बताता है कि शिगगांव की जनता ने बोम्मई साहब को फिर से विधानसभा भेजने का दृढ़ निश्चय कर लिया है। ■

प्रमुख मतदाताओं एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ संवाद, बीदर (कर्नाटक)

'कर्नाटक में विकास की गति को और तेज करनी है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 अप्रैल, 2023 को बीदर, कर्नाटक ने प्रमुख मतदाताओं एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ संवाद किया और उनसे कर्नाटक में सकारात्मक राजनीति तथा विकास की गति को और तेज करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कर्नाटक में डबल इंजनवाली भाजपा सरकार के गठन में सहयोग की अपील की।

श्री नड्डा ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में एक ओर भारतीय जनता पार्टी है और दूसरी तरफ कांग्रेस है। कांग्रेस ने आजादी से लेकर अब तक समाज को केवल और केवल बांटने का काम किया है। कांग्रेस ने कभी लोगों को जाति के आधार पर, कभी धर्म के आधार पर, कभी इलाके के आधार पर तो कभी संप्रदाय के आधार पर बांटा। बांटते-बांटते कांग्रेस खुद भी बंट गयी और आज उनके पास कुछ रहा ही नहीं। 60 साल पहले तमिलनाडु में कांग्रेस के पांव उखड़े थे और आज तक कांग्रेस तमिलनाडु में वापस नहीं आ पाई। केरल में कांग्रेस शासन करती थी। आज केरल में भी कांग्रेस कमजोर हो गई है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कांग्रेस एक समय सरकार में थी, आज दोनों जगहों से गायब है। कर्नाटक में कांग्रेस का अंदरूनी झगड़ा समाप्त नहीं हो पा रहा है। समाज को बांटते-बांटते कांग्रेस आज खुद ही बंट गयी।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र है– 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास।' भाजपा आज तक इसी मूलमंत्र पर काम करती है। बीदर शहर के सैयाद कादरी साहब को पद्मश्री सम्मान मिला है। आज सिफारिश से पद्मश्री सम्मान नहीं मिलता है।

श्री नड्डा ने कहा कि देश में आज 80 करोड़ जनता को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है, जिसमें से लगभग 4 करोड़ लाभार्थी कर्नाटक के हैं। 'जल जीवन मिशन' में देश के लगभग 9 करोड़ लोगों के घरों में पेयजल पहुंचा रहे हैं तो उसमें 40 लाख घर कर्नाटक के हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत देश भर में लगभग 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाये गए हैं, तो इसमें लगभग 27 लाख इज्जत घर कर्नाटक में बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 9.5 करोड़ घरों में गैस कनेक्शन दिए गए हैं तो उसमें से लगभग 37.5 लाख गैस कनेक्शन माताओं एवं बहनों को दिए गए हैं। 'पीएम आवास योजना' के तहत देश में गरीबों को लगभग साढ़े तीन करोड़ घर दिए गए हैं जिसमें से लगभग 9 लाख घर कर्नाटक में बने हैं। 'आयुष्मान भारत' दुनिया की सबसे बड़ी और मुफ्त हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम है, जिसमें लगभग 55 करोड़ लोगों को लाभ मिल रहा है। स्वनिधि योजना से रेहड़ी पटरी वाले लोगों को लाभ मिल रहा है। 'किसान सम्मान निधि' से भी देश में लगभग 10 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मतलब है करप्शन, कमीशन और क्राइम। कांग्रेस के शासनकाल में कर्नाटक में लगभग 400 करोड़ रुपये का मालाप्रभा स्कैम हुआ था। अमरावती लैंड स्कैम और शिक्षक एवं पुलिस भर्ती घोटाला भी कांग्रेस की सरकार में हुआ। इसका अर्थ है कि कांग्रेस मतलब करप्शन।

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का पूर्व एमपी और मीडिया इंचार्ज मंच से बोलता है कि उसका अध्यक्ष 10 से 12 प्रतिशत कमीशन लेता है और खुद ही लेता है। कांग्रेस ने हुबली में हिंसा करने वालों का समर्थन किया और उसके साथ खड़ी रही। कुकर बम ब्लास्ट के आरोपियों को बचाने के लिए कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने बयान दिया था। कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार ने पीएफआई के लगभग 1700 लोगों के ऊपर से केस हटाए थे, जबकि भाजपा की सरकार ने पीएफआई पर बैन लगाया। कांग्रेस नेता अपराधीकरण को बढ़ावा देते हैं और समाज को बांटते हैं। कर्नाटक में विकास की गति को और तेज करनी है तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में डबल इंजनवाली भाजपा सरकार का गठन बहुत जरूरी है। यही कर्नाटक के हित में है। ■

जनता मोदीजी को अपनी आकांक्षाओं के वाहक के रूप में देखती है: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक में प्रचंड बहुमत के साथ वापसी करेगी और 1985 से लगातार दो बार किसी भी पार्टी के नहीं जीतने के चलन को तोड़ेगी। श्री नड्डा ने कर्नाटक चुनाव से संबंधित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। प्रस्तुत हैं टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित साक्षात्कार के अंशः

1985 के बाद से कर्नाटक में कोई भी पार्टी लगातार दो बार सत्ता में नहीं आई है। आपको विश्वास है कि आप इस इतिहास को बदल पाएंगे?

हम पहली बार त्रिपुरा और नागालैंड में पुनः सत्ता में वापिस आये हैं। गोवा में हमें तीसरी बार सरकार बनाने का मौका मिला है। उत्तराखंड में हम दूसरी बार सरकार में है। उत्तर प्रदेश में हमने लगातार चार चुनाव जीते हैं। हमारी सबसे बड़ी ताकत मोदीजी का व्यक्तित्व है। इसने हमें लोगों का सम्मान अर्जित करने में मदद की है और हमें अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करने का साहस दिया है। लोग मोदीजी को अपनी आकांक्षाओं के वाहक के रूप में देखते हैं। दूसरी ओर पार्टी भी बढ़ रही है।

भाजपा के कई वरिष्ठ नेता कांग्रेस और जद (एस) में शामिल हो गए हैं। इससे क्या भाजपा कमजोर नहीं होगी?

जनसंघ के दिनों से पार्टी छोड़ने वाला कोई भी नेता फला-फूला नहीं है। दूसरी बात, पार्टी छोड़ना एक बात है, विचारधारा का क्या? जब आप वैचारिक रूप से विद्रोह करते हैं, तो आप विचारों के खिलाफ हो जाते हैं। तो निश्चित तौर पर नुकसान हमेशा आपका ही होता है। टिकट बंटवारे को लेकर काफी सोच-विचार किया गया। कुछ लोगों को बदला जाना तय था। हालांकि, पार्टी में जोश है, उत्साह है और अधिकांश लोगों ने पार्टी के फैसलों को पसंद किया है।

पिछली बार आपने बी. एस. येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया था। इस बार बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके नाम की घोषणा नहीं की गई है?

हाल के दिनों में हमने अन्य मामलों में भी ऐसी घोषणाएं नहीं की हैं। ये चीजें संसदीय बोर्ड द्वारा तय की जाती हैं। बहरहाल, बोम्मईजी मुख्यमंत्री हैं और हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं।

आरक्षण में बदलाव, मुस्लिम समुदाय के 4 प्रतिशत आरक्षण को लेकर, दो प्रतिशत लिंगायत और दो प्रतिशत वोक्कालिगा समुदायों को चुनाव से ठीक पहले दिया गया है। क्या यह संभावित सत्ता विरोधी लहर को देखते हुए किया गया था?

नहीं, इसको लेकर लंबे समय से मांग की जा रही थी। हम इस मामले को देख रहे थे। इस तरह के मामले गहन विचार-विमर्श के बाद सुलझाए जाते हैं। मुस्लिम आरक्षण असंवैधानिक था। इस फैसले की सभी ने सराहना की है।

कांग्रेस ने घोषणा की है कि अगर वह चुनाव में विजयी होती है तो वह इस निर्णय को उलट देगी?

कांग्रेस का हमेशा से यही तरीका रहा है, बांटो और राज करो। साथ ही, संविधान धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। वे इसे कैसे वापस लागू करेंगे? लोगों को बांटना, एक समुदाय का ध्रुवीकरण करना उनकी आदत रही है।

जो लोग छोड़कर गये हैं, उनमें वरिष्ठ लिंगायत नेता भी शामिल हैं। क्या आपको लगता है अब समुदाय से आपको मिलने वाला समर्थन कमजोर होगा?

नहीं, बिलकुल नहीं। लिंगायत हों या कोई और, भाजपा में जनता की दिलचस्पी बढ़ती ही जा रही है। कोई भी पार्टी लिंगायतों के लिए वह नहीं कर सकती, जो भाजपा ने किया है। लिंगायत नेता वीरेंद्र पाटिल के साथ कांग्रेस ने क्या किया? उन्होंने उन्हें सिर्फ नौ महीने में ही हटा दिया था।

कुछ वर्गों ने कट्टरपंथी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की निंदा की है।

आप कांग्रेस से इससे बेहतर की उम्मीद नहीं कर सकते। वे हमेशा ध्रुवीकरण करने में लिप्त रहे हैं। कांग्रेस ने पीएफआई को संरक्षण दिया और यही कारण है कि सिद्धारमैया के शासन में सांप्रदायिक तनाव बढ़ा।

शेष पृष्ठ 12 पर...

कर्नाटक विधानसभा चुनाव - 2023: एक रिपोर्ट

राम प्रसाद त्रिपाठी

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 29 मार्च, 2023 को तिथियों की घोषणा की। यह कर्नाटक प्रदेश का पंद्रहवां विधानसभा चुनाव होगा। इन घोषणाओं के अनुसार नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल, 2023 और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल, 2023 थी। इस बार कर्नाटक में एक चरण में 10 मई, 2023 को चुनाव होंगे। चुनाव के परिणाम 13 मई, 2023 को घोषित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान कर्नाटक विधानसभा का कार्यकाल 24 मई, 2023 को समाप्त हो जाएगा। कर्नाटक में 224 विधानसभा सीटे हैं, जो छह अलग-अलग क्षेत्रों— बेंगलुरु, मध्य, तटीय, हैदराबाद-कर्नाटक, मुंबई-कर्नाटक और दक्षिणी कर्नाटक में फैली हुई हैं। मुंबई-कर्नाटक और दक्षिणी कर्नाटक प्रदेश के सबसे बड़े क्षेत्र हैं और इनमें क्रमशः 50 और 51 विधानसभा सीटें हैं। 224 विधानसभा सीटों में से 36 अनुसूचित जाति और 15 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं।

चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार प्रदेश में कुल 5.21 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 2.59 महिला मतदाता और 2.62 करोड़ पुरुष मतदाता शामिल हैं। वर्तमान में कुल मतदाताओं में से 80 वर्ष से अधिक आयु के 12.15 लाख और 5.55 लाख विकलांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाता हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुल वरिष्ठ नागरिकों में से 16,976 100 वर्ष से अधिक आयु

के हैं। 4,699 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं और 9.17 लाख फर्स्ट टाइम वोटर हैं। प्रदेश में कुल 58,282 मतदान केंद्र हैं और प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की औसत संख्या 883 है।

कर्नाटक पहला दक्षिणी राज्य है जहां भाजपा ने 2008 में प्रचंड जीत दर्ज करके इतिहास रचा और श्री बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनाई। शुरुआत से ही, कर्नाटक में भाजपा सरकार ने सुशासन और विकास पर ध्यान केंद्रित किया है और तब से, कर्नाटक राज्य की राजनीति में भाजपा की ताकत और स्वीकार्यता में काफी वृद्धि हुई है। जनता के प्यार और स्नेह से भाजपा को जीत के बाद जीत मिली। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी, भाजपा 224 सदस्यीय विधानमंडल में 104 सीटें प्राप्त करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आई थी। इसके विपरीत, कांग्रेस को 80 सीटें मिलीं और जनता दल (सेक्युलर) को 37 सीटें मिलीं। जबकि 29 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी की सभी सीटों पर जमानत जब्त हो गई। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन में और सुधार किया

कर्नाटक विधानसभा चुनाव सारणी

क्रमांक	चुनाव कार्यक्रम	दिनांक
1	अधिसूचना जारी करने होने की तिथि	13 अप्रैल, 2023
2	नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि	20 अप्रैल, 2023
3	नामांकन पत्रों की जांच की तिथि	21 अप्रैल, 2023
4	उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि	24 अप्रैल, 2023
5	मतदान की तिथि	10 मई, 2023
6	मतगणना की तिथि	13 मई, 2023
7	चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की अंतिम तारीख जाएगी	15 मई, 2023

कर्नाटक का यह चुनाव विभिन्न नवीन पहलों के लिए जाना जाएगा

- पहली बार, चुनाव आयोग ने आगामी चुनावों में 80 वर्ष से अधिक आयु के लोगों और विकलांग लोगों के लिए राज्य में घर से वोटिंग का विकल्प उपलब्ध कराया है। चुनाव आयोग की टीम ऐसे लोगों के घर जाकर फॉर्म -12डी के माध्यम से नागरिकों को वोटिंग करने में मदद करेगी और जब भी घर से वोटिंग (वीएफएच) के लिए ऐसा कोई मामला होगा, तो सभी राजनीतिक दलों को सूचित किया जाएगा।
- संवेदनशील आदिवासी समूहों और ट्रांसजेंडर के लिए विशेष बूथ स्थापित किए जाएंगे।
- दिव्यांग लोगों के लिए सक्षम नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया गया है।
- उम्मीदवारों के नामांकन और हलफनामे दाखिल करने के लिए एक और मोबाइल एप्लिकेशन सुविधा शुरू की गई है।
- उम्मीदवार बैठकों और रैलियों की अनुमति लेने के लिए सुविधा पोर्टल का भी उपयोग कर सकते हैं।
- चुनाव आयोग ने मतदाताओं के लिए 'नो योर कैंडिडेट' (KNOW YOUR CANDIDATE) नामक एक अभियान भी शुरू किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, 'राजनीतिक दलों को मतदाताओं को अपने पोर्टल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सूचित करना होगा कि उन्होंने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को क्यों चुना और चुनाव लड़ने के लिए क्यों टिकट दिया।'
- आयोग ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए ई-विजिल मोबाइल एप्लिकेशन पेश किया है। जिसमें प्रतिक्रिया समय 100 मिनट होगा।

और 28 में से 26 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की, पार्टी को 40 प्रतिशत वोट हासिल हुए।

कार्यक्रम की घोषणा और नामांकन दाखिल करने के साथ ही कर्नाटक का राजनीतिक माहौल चुनावी रैलियों, प्रचार और रोड शो से सराबोर हो गया है। भाजपा ने 19 अप्रैल को अपने उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। शिगगांव से मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई और अन्य उम्मीदवार अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से पहले ही अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कर्नाटक में इस बार भाजपा, कांग्रेस और जद (एस) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। हालांकि, ऐसा लगता है कि राज्य में हर जगह भाजपा की अभूतपूर्व लहर है और जद (एस) अपने अस्तित्व को बचाने के लिए चुनाव लड़ रही है।

पिछले पांच वर्षों में श्री बीएस येदियुरप्पा और बाद में श्री बसवराज बोम्मई के कार्यकाल में राज्य ने सभी मोर्चों पर उल्लेखनीय वृद्धि और विकास देखा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व में डबल इंजन भाजपा सरकार ने तुमकुर में बहुप्रतीक्षित औद्योगिक गलियारा, तुमकुर में एशिया का सबसे बड़ा हेलीकॉप्टर निर्माण उद्योग, कर्नाटक में विमान निर्माण केंद्र, वंदे भारत ट्रेन, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार और बेंगलुरु में नया केम्पेगौड़ा एयरपोर्ट टर्मिनल, बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे आदि जैसी महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को पूरा किया है। हजारों किलोमीटर नए राष्ट्रीय राजमार्ग, नए आईआईटी, नए हवाई अड्डे, दुनिया के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म आदि का भी हाल ही में प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया, यह भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास परियोजनाओं की लंबी सूची में से कुछ परियोजनाएं हैं। आज कर्नाटक एफडीआई, इनोवेशन इंडेक्स, स्टार्टअप इकोसिस्टम और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे विकास के विभिन्न मानकों में अन्य राज्यों से बहुत आगे है। यही विकास का एजेंडा है जिसे भाजपा सरकार ने प्रदेश में लागू किया है।

गुजरात और हाल ही में पूर्ण हुए तीन उत्तर-पूर्व राज्यों में जीत हासिल कर और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे के साथ इस बार भाजपा आगामी कर्नाटक चुनाव में एक शानदार जीत हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक की अपनी सातवीं यात्रा कर सत्तारूढ़ भाजपा की वापसी के लिए पहले ही एक मजबूत आधार बना दिया है, इस दौरान जनता द्वारा प्रधानमंत्री श्री मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य वरिष्ठ नेताओं के चुनावी कार्यक्रमों, रोड शो, रैलियों और सभाओं में बड़े पैमाने पर लोगो की मौजूदगी भाजपा की चुनावी जीत को सुनिश्चित कर रही है। पिछली बार भाजपा का प्रदर्शन काफी सराहनीय रहा है और इस बार भी वह स्पष्ट जीत की ओर बढ़ रही है। ■

पृष्ठ 09 का शेष...

इस अभियान से कांग्रेस का लिंगायतों को अपने पक्ष में करने का इरादा दिखता है, क्या इसका लाभ उनको मिलेगा?

उनकी कौन सुनेगा? ये मगरमच्छ के आंसू हैं। हमने किसी का अपमान नहीं किया है। जबकि आपने एक मुख्यमंत्री का अपमान किया। हमारी एक सतत प्रक्रिया है, जिसके तहत वरिष्ठ नेताओं को नई जिम्मेदारियां दी जाती हैं। क्या श्री येदियुरप्पा वापस नहीं आए? अगर श्री शेट्टार रुके होते तो उनकी जिम्मेदारियां भी बदल जातीं। श्री ईश्वरप्पा की जिम्मेदारी बदलेगी।

आप वोक्कालिगा समुदाय तक अपनी पहुंच बना रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के इतिहास ने वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के बीच संघर्ष को देखा है। क्या भाजपा पर इसका असर नहीं पड़ेगा?

ऐसा नहीं है। भाजपा के पास एक शक्तिशाली और विश्वसनीय 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंच है। हमारा ट्रैक रिकॉर्ड ऐसा रहा है, जिसमें सभी के हितों की रक्षा की गयी है। इसलिए, अगर हम लिंगायत के लिए कुछ अच्छा करते हैं, तो वह काम वोक्कालिगा समुदाय की कीमत पर नहीं होगा और ऐसा ही इसके विपरीत मामले पर लागू होता है।

प्रधानमंत्री के बारे में आपने कहा कि लोगों को उन पर भरोसा है। कांग्रेस के सदस्यों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे राज्य-विशिष्ट मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे।

ऐसी योजनाएं कर्नाटक में मोदीजी की लोकप्रियता का प्रमाण हैं। लोगों को एहसास हो गया है कि मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

> लोगों को एहसास हो गया है कि मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प है

ऐसी धारणा है कि जगदीश शेट्टार जैसे वरिष्ठ नेता को उनके कद को देखते हुए टिकट दिया जाना चाहिए था?

यह एक सचेत, सुविचारित राय थी कि हम वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां देंगे। यह महत्वपूर्ण है कि सदस्य इसे समझें। दुर्भाग्य से उन्होंने ऐसा नहीं किया।

उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत देर से सूचित किया गया था।

ऐसा ही होता है। मैं कहूंगा कि उनमें पार्टी के निर्णयों को समझने की परिपक्वता नहीं है। अनिल बलूनी हों या जेपी नड्डा, हम जानते हैं और मानते हैं कि पार्टी जो हमारे बारे में निर्णय लेगी, वे निश्चित रूप से सही निर्णय होगा।

कर्नाटक में विपक्ष सरकार पर कई तरह के आरोप लगा रहा है?

यह हमारे खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान है। हमारे खिलाफ एक भी केस दर्ज नहीं हुआ है। यहां तक कि ईश्वरप्पा के खिलाफ मामला भी बंद कर दिया गया और उन्हें क्लीन चिट मिल गई है। भ्रष्टाचार का कांग्रेस से गहरा नाता है। उन्हें अर्कावती लेआउट घोटाला, भर्ती घोटाला, भूमि उपयोग परिवर्तन घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला पर जवाब देना चाहिए। सिद्धारमैया हों या डीके शिवकुमार, हर कोई उनके बारे में जानता है। आप उनके मीडिया सेल के प्रमुख के बारे में जानते होंगे, जो एक अवसर पर बोले थे, 'हमारे साहब 10-12 प्रतिशत कमीशन लेते हैं'। ■

हिमाचल प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बने राजीव बिंदल

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 अप्रैल, 2023 को डॉ. राजीव बिन्दल को हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। श्री बिन्दल सोलन जिले के रहनेवाले हैं। वे पांच बार विधायक रहे हैं। पूर्व में वे मंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं।

संगठनात्मक नियुक्तियां

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 अप्रैल, 2023 को श्री पवन राणा को दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। इसके साथ ही, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री सिद्धार्थन को हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। ■

'भाजपा कार्यकर्ता बाबासाहेब के बताये रास्ते पर चलने के लिए कृतसंकल्पित'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 अप्रैल, 2023 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकरजी की जयंती के शुभ अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी, उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और कार्यकर्ताओं से बाबासाहेब के सेवा और समर्पण के भाव को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) श्री शिव प्रकाश, पार्टी के संगठक श्री वी. सतीश, राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम एवं श्रीमती डी पुरंदेश्वरी, केंद्रीय मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार, पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन श्री हंसराज अहीर, कार्यालय मंत्री श्री महेंद्र पांडेय, पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख डॉ. संजय मयूख एवं अनसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आधुनिक भारत के निर्माण में बाबासाहेब का योगदान अविस्मरणीय

श्री नड्डा ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक क्षेत्रों में श्रद्धेय बाबासाहेब का योगदान अविस्मरणीय है। आधुनिक भारत के निर्माण में बाबासाहेब का योगदान एवं उनकी भूमिका के लिए राष्ट्र सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेगा। एक भाजपा कार्यकर्ता के रूप में हम सबको बाबासाहेब के संघर्ष एवं उनके राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक सुधारों के लिए किये गए कार्यों से प्रेरणा भी मिलती है। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में समता, समानता, बंधुत्व एवं मानवता आधारित भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी प्रभावी भूमिका रही।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की समाज में समानता तथा उनके गरिमापूर्ण जीवन मूल्यों की स्थापना के लिए लड़ते हुए श्रद्धेय बाबासाहेब अंबेडकरजी ने कानून मंत्री से इस्तीफा तक दे दिया था। उनका मानना था कि समाज में जब तक समानता और समता का भाव नहीं आयेगा, तब तक राष्ट्र के विकास में सभी भारतवासियों की भागीदारी तय नहीं हो सकती है। वे राष्ट्र के उत्थान के लिए आजीवन प्रयासरत रहे।

बाबासाहेब को सही मायनों में सम्मान देने का कार्य मोदी सरकार ने किया

श्री नड्डा ने कहा कि बाबासाहेब ने भावी भारत के लिए जिन कार्यों को पूरा करने का स्वप्न देखा था, उन सबको प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है। आज भी हमारी मोदी सरकार बाबासाहेब के बताये रास्ते पर चलते हुए सर्व-समाज के कल्याण के लिए काम कर रही है। बाबासाहेब को सही मायनों में सम्मान देने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने किया। पहली बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने बाबासाहेब की 125वीं जयंती मनाई गई। पहली बार बाबासाहेब के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को 'पंचतीर्थ' घोषित किया। साथ ही, इसका विकास भी किया गया। मध्य प्रदेश के महू में जन्मभूमि, लंदन में डॉ. अंबेडकर मेमोरियल के रूप में शिक्षाभूमि, नागपुर में दीक्षा भूमि, मुंबई में चैत्य भूमि और दिल्ली में नेशनल मेमोरियल के रूप में महापरिनिर्वाण भूमि का विकास किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबासाहेब के सम्मान में प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को 'समरसता दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर स्मारक सिक्के जारी किए गए। साथ ही, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अप्रैल, 2018 को दिल्ली में भीमराव अंबेडकरजी की याद में देश को राष्ट्रीय स्मारक समर्पित किया।

श्री नड्डा ने कहा कि भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकरजी को नमन करते हुए मैं भारतीय जनता पार्टी के लाखों-करोड़ों कार्यकर्ताओं से आह्वान करता हूं कि हम सब बाबासाहेब के जीवन को अपने जीवन का आदर्श मानकर कार्य में जुटें तथा हम समतामूलक समाज बनाने एवं सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत के प्रति कटिबद्ध होकर उसे आगे बढ़ाने के लिए कार्यरत हों। यदि बाबासाहेब को सच्चे अर्थों में श्रद्धांजलि अर्पित करना हो और उन्हें याद करना हो तो हमें उनके बताये रास्ते पर चलना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी सदैव उनकी नीतियों का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जितनी भी योजनाएं हाथ में ली हैं और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है, वे सभी सामाजिक न्याय, आर्थिक सुदृढ़ीकरण और समाज के अंतिम पायदान कर खड़े लोगों को ताकत देने के लिए ही हैं। भाजपा कार्यकर्ता बाबासाहेब के बताये रास्ते पर चलने के लिए कृतसंकल्पित हैं। ■

दीदी और भतीजे के जुर्म और जुल्म को हटाने का एकमात्र रास्ता है भाजपा : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 14 अप्रैल, 2023 को बीरभूम (पश्चिम बंगाल) में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन किया और इसके पश्चात् बीरभूम के बेनीमाधब स्कूल ग्राउंड में आयोजित विशाल 'जनसंपर्क समावेश' रैली को संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सुकांता मजूमदार, पश्चिम बंगाल विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री सुवेंदु अधिकारी, केंद्रीय मंत्री श्री निसिथ प्रामाणिक, केंद्रीय मंत्री श्री सुभाष सरकार, केंद्रीय मंत्री सुश्री प्रतिमा भौमिक, प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. मंगल पांडेय सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की महान जनता ने हमें 77 सीटें दी थीं। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में हमारे विधायकों के साथ विरोधी दल के नेता के रूप में श्री सुवेंदु अधिकारी दीदी की दादागिरी से दो-दो हाथ कर रहे हैं। भाजपा लगातार दीदी की सरकार के भ्रष्टाचार का खुलासा कर रही है। पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा को 77 सीटों के साथ लगभग 38 प्रतिशत वोट दिया। मैं आज पश्चिम बंगाल की जनता से अपील करने आया हूं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बाकी की कसर पूरी कर दीजिये, भाजपा को यहां 35 से अधिक सीटें देकर श्री नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाइये।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में दीदी और भतीजे के जुर्म और जुल्म को हटाने का एकमात्र रास्ता है भाजपा। तृणमूल कांग्रेस के संत्रास से पश्चिम बंगाल को मुक्त करने का एकमात्र रास्ता है भाजपा। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने का एकमात्र रास्ता है भाजपा, गौ-तस्करी को ख़त्म करने का एकमात्र रास्ता है भाजपा। असम में भाजपा की सरकार आते ही गौ-तस्करी भी बंद हो गई और घसपैठ भी रुक गई। मैं पश्चिम बंगाल की जनता से अपील करता हूं कि 2024 में भाजपा को पश्चिम बंगाल में 35 सीटें दे दीजिये, 2025 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ही ममता दीदी की तृणमूल सरकार अपने ही पापों के बोझ से गिर जायेगी। एक बार पश्चिम बंगाल में कमल खिला दीजिये फिर न बम धमाके होंगे, न रामनवमी पर हमले होंगे, न महिलाओं पर अत्याचार होगा, न हत्या होगी, न घुसपैठ होगा, न गौ-तस्करी होगी और न ही भ्रष्टाचार होगा। ■

'हर बूथ पर भाजपा को सबसे मजबूत बनाने का आह्वान'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 15 अप्रैल, 2023 को भरतपुर, राजस्थान के एमएसजे कॉलेज ग्राउंड में में बूथ अध्यक्ष संकल्प महासम्मेलन को संबोधित किया और बूथ अध्यक्षों से राजस्थान के हर बूथ पर भाजपा को सबसे मजबूत बनाने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने बूथ कार्यकर्ताओं से भरतपुर संभाग की लोकसभा सीटों के साथ-साथ सभी 19 विधानसभाओं में जोरदार तरीके से कमल खिलाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में भरतपुर संभाग के लगभग 4700 बूथों के भाजपा बूथ अध्यक्ष सहित इस संभाग के हर बूथ से पांच-पांच पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। भाजपा नेताओं एवं पदाधिकारियों ने श्री शाह को 31 किलो फूलों की माला पहनाई और महाराजा सूरजमल की प्रतीक चिह्न भी भेंट किया। कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान के प्रभारी श्री अरुण सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री कैलाश चौधरी, पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री ओम प्रकाश माथुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सीपी जोशी, प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राजेंद्र राठौड़, उप-नेता श्री सतीश पुनिया, श्रीमती विजया राहटकर और श्री राजेंद्र गहलोत सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में आज जिस मुकाम पर पहुंची है, उसका आधार हमारे बूथ कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम है। मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा ने कमल निशान और अंत्योदय, एक भारत, श्रेष्ठ भारत और सबका साथ, सबका विकास की विचारधारा को देश के कोने-कोने में पहुंचाया है।

राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर हमला जारी रखते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार में राजस्थान में 'लॉ एंड आर्डर' के मामले में निगेटिव ग्रोथ तो हुआ ही, साथ ही परिवारवाद में भी जमकर ग्रोथ हुआ। गहलोत सरकार ने वंशवाद का विकास किया है, जातिवाद को भड़काया है और तुष्टीकरण की पराकाष्ठा पार कर ली है। राजस्थान की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। गहलोत सरकार में दो दर्जन से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इसके बाद भी गहलोत सरकार सत्ता चाहती है। क्यों गहलोत साहब, आपको पेपर लीक की सेंचुरी लगानी है क्या? राजस्थान की जनता आपको कोई मौक़ा नहीं देगी। ■

'भाजपा नीत एनडीए सरकार में नॉर्थ-ईस्ट का विकास हो रहा है'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 11 अप्रैल, 2023 को डिब्रूगढ़, असम में भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया और इस अवसर पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए 2024 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 300 से अधिक सीटों के साथ एक बार पुनः केंद्र में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनने का विश्वास व्यक्त किया। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भावेश कलिता सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री शाह ने मां कामाख्या, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेवजी और भारत रत्न भूपेन हजारिकाजी को नमन करते हुए अपने उद्बोधन की शुरुआत की और कहा कि भाजपा संगठन के आधार पर चलनेवाली पार्टी है। हमारे लिए कार्यालय कार्यकर्ताओं की सभी गतिविधियों का केंद्र होता है। आज यहां भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन हुआ है। इससे छह लोकसभा क्षेत्रों और डिब्रूगढ़ क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा नीत एनडीए की सरकार है। इसकी के कारण नॉर्थ-ईस्ट का विकास हो रहा है। एक जमाने में नॉर्थ-ईस्ट कांग्रेस का गढ़ माना जाता था, लेकिन आज कांग्रेस की हालत बहुत ही खस्ता है। राहुल गांधी ने एक तथाकथित यात्रा निकाली। उस यात्रा के बाद त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय में विधानसभा चुनाव हुए और इन तीनों राज्यों में कांग्रेस पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। कहीं पर भी कांग्रेस दिखाई ही नहीं पड़ी। राहुल गांधी विदेश जाते हैं और विदेशी धरती पर देश की बुराई करते हैं। देश का कोई भी देशभक्त नागरिक अपने देश की बुराई नहीं करेगा, वह भी विदेशी धरती पर! कतई नहीं। राहुल गांधी अगर अभी भी नहीं समझे तो अभी तो नॉर्थ-ईस्ट से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है, यदि कांग्रेस पार्टी इसी ढर्रे पर चलती रही तो वह दिन दूर नहीं, जब देश भर से पूरी तरह से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि मैं कांग्रेस के लोगों को आज ये कहने आया हूं कि 2024 में लोकसभा का चुनाव आ रहा है। असम की 14 में से 12 सीटों पर भाजपा की विजय निश्चित है और श्री नरेन्द्र मोदी 300 से ज्यादा सीटों पर जीत के साथ पूर्ण बहुमत से लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बननेवाले हैं। ■

'अंत्योदय योजना को गोवा की जमीन पर सफलतापूर्वक उतारा गया है'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 16 अप्रैल, 2023 को दक्षिण गोवा के फरमागुडी स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और जनता से गोवा में विकास की गति बनाये रखने एवं भ्रष्टाचार-मुक्त पारदर्शी शासन व्यवस्था के लिए एक बार पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने की अपील की।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत द्वारा परिकल्पित स्वयंपूर्ण गोवा कार्यक्रम के लिए गोवा सरकार को बधाई देते हुए कहा कि स्वयंपूर्ण गोवा के दस सूत्री कार्यक्रम का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अब सभी के लिए नल का पानी, सभी के लिए बिजली, सभी के लिए स्वच्छता, सभी के लिए स्वास्थ्य, सभी के लिए आवास, सभी के लिए पीएम किसान कार्ड, दिव्यांग को सहायता, वरिष्ठ नागरिकों का सहायता आदि कार्यों के लिए दफ्तर जाने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्रीजी वीडियो कांफ्रेंसिंग से अधिकारियों को उन जगहों पर भेजते हैं और वहीं पर उनके काम पूरे हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं देशभर का दौरा करता हूं। भाजपा की 15 राज्यों में इस समय सरकारे हैं। किसी सरकार ने ऐसा कार्य नहीं किया है, जो भाई प्रमोद ने किया है। यह बॉटम अप स्कीम है अर्थात् नीचे रह गए लोगों को ऊपर उठाने की योजना है। भारतीय जनता पार्टी की अन्त्योदय योजना और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण योजना की अवधारणा को गोवा की जमीन पर सफलतापूर्वक उतारा गया है। गोवा सरकार ने अपने इस बार के बजट में हाई मोबिलिटी, नवीनीकरण ऊर्जा, पर्यटन, नए पुल, नए फ्लाईओवर, नयी सड़कें, लाडली लक्ष्मी योजना, गर्भवती महिलाओं की योजनाओं के लिए 27,000 करोड़ आवंटित किये हैं। इतने छोटे से प्रदेश के लिए इतनी सारी कल्याणकारी योजनाओं का समावेश केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही कर सकती है।

देश की आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा का जिक्र करते हुए श्री शाह ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को सुरक्षित रखने का काम किया है। कांग्रेस के जमाने में आए दिन पाकिस्तान वाले सरहद में घुसकर हमारे जवानों का सिर काटकर ले जाते थे और उसे कोई जवाब नहीं देता था। केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार आने के बाद आतंकवादियों पर सर्जिकल एवं एयर स्ट्राइक किया गया और भारतीय सेना पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का सफाया कर दिया। ■

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने रसोई गैस मूल्य निर्धारण के संशोधित दिशा-निर्देशों को दी स्वीकृति

इन सुधारों से घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस और ट्रांसपोर्टेशन के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की लागत में काफी कमी आएगी। घटी हुई कीमतों से उर्वरकों पर सब्सिडी का बोझ भी कम होगा और घरेलू बिजली क्षेत्र को मदद मिलेगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने छह अप्रैल ओएनजीसी/ओआईएल के नामांकन क्षेत्रों, नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) ब्लॉकों और पूर्व-एनईएलपी ब्लॉकों से उत्पादित गैस के लिए संशोधित घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशा-निर्देशों को मंजूरी दी। प्राकृतिक गैस की कीमत भारतीय क्रूड बास्केट के मासिक औसत का 10 प्रतिशत होगा और मासिक आधार पर अधिसूचित किया जाएगा।

नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए स्थिर मूल्य निर्धारण व्यवस्था सुनिश्चित करना है, साथ ही उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन के साथ उत्पादकों को बाजार के प्रतिकूल उतार-चढ़ाव से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना है।

केंद्र सरकार का लक्ष्य 2030 तक भारत के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी मौजूदा 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करना है। ये सुधार प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ाने में मदद करेंगे और उत्सर्जन को नेट जीरो तक कम करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देंगे।

ये सुधार केंद्र सरकार द्वारा शहरी गैस आपूर्ति क्षेत्र के लिए घरेलू गैस आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि करके और भारत में गैस की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय गैस मूल्य वृद्धि के प्रभाव को कम करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए की गई विभिन्न पहलों का एक सिलसिला है।

इन सुधारों से घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस और ट्रांसपोर्टेशन के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की लागत में काफी कमी आएगी। घटी हुई कीमतों से उर्वरकों पर सब्सिडी का बोझ भी कम होगा और घरेलू बिजली क्षेत्र को मदद मिलेगी। वर्तमान में घरेलू गैस की दरें नए घरेलू गैस मूल्य दिशा-निर्देश, 2014 के अनुसार तय की जाती हैं, जिसे 2014 में सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में गैस की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय गैस की कीमतों में वृद्धि के प्रभाव को कम करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए कैबिनेट के निर्णय की सराहना की। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी के एक ट्वीट को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि घरेलू गैस मूल्य निर्धारण से संबंधित कैबिनेट के निर्णय से उपभोक्ताओं को कई लाभ होंगे। यह क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक विकास है। ■

देश ने किया 770.18 अरब अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 13 अप्रैल को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत से कुल निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 13.84 प्रतिशत बढ़कर 770.18 अरब अमेरिकी डॉलर हुआ, जो अब तक का सर्वाधिक निर्यात है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि वस्तु निर्यात ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.03% की वृद्धि के साथ 447.46 अरब अमेरिकी डॉलर का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक निर्यात दर्ज किया, जो कि पिछले वर्ष (वित्त वर्ष 2021-22) के 422.00 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड निर्यात से अधिक है।

सेवा निर्यात ने समग्र निर्यात वृद्धि में अगुवाई की और वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 26.79 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 322.72 अरब अमेरिकी डालर का एक नया वार्षिक रिकॉर्ड दर्ज किए जाने का अनुमान है। ■

पिछले 9 वर्ष में स्टार्ट-अप्स 300 गुना बढ़े

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 10 अप्रैल को कहा कि भारत में स्टार्ट-अप्स पिछले 9 वर्षों में 300 गुना बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लगभग 350 स्टार्ट-अप्स ही थे, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में लाल किले की प्राचीर से आह्वान करने और 2016 में विशेष स्टार्ट-अप योजना शुरू करने के बाद से आज स्टार्ट-अप्स की संख्या 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ 90,000 से अधिक हो गयी है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया, जिससे अंतरिक्ष क्षेत्र में लगभग तीन वर्षों के भीतर 100 से अधिक स्टार्ट-अप हो गए। उन्होंने कहा कि इसी तरह जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक) स्टार्ट-अप्स लगभग 50 से बढ़कर लगभग 6,000 हो गए हैं।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'राष्ट्रीय क्वांटम मिशन' को दी मंजूरी

'राष्ट्रीय क्वांटम मिशन' से संचार, स्वास्थ्य, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों के साथ-साथ दवाओं के निर्माण और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों को बहुत लाभ होगा। यह डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास लक्ष्यों जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को व्यापक रूप से बढ़ावा देगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 19 अप्रैल को राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) को 2023-24 से 2030-31 तक की अवधि के लिए कुल 6003.65 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दे दी। इस मिशन का लक्ष्य क्वांटम प्रौद्योगिकी (क्यूटी) के क्षेत्र में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास का बीजारोपण करना एवं उसे विकसित करना व आगे बढ़ाना और इससे संबंधित एक जीवंत एवं रचनात्मक इकोसिस्टम तैयार करना है। यह मिशन क्वांटम प्रौद्योगिकी पर आधारित आर्थिक विकास को गति देगा, देश में एक अनुकूल इकोसिस्टम विकसित करेगा और क्वांटम प्रौद्योगिकियों एवं अनुप्रयोगों (क्यूटीए) के विकास के क्षेत्र में भारत को एक अग्रणी देश बनाएगा।

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन देश में प्रौद्योगिकी विकास से संबंधित इकोसिस्टम को वैश्विक प्रतिस्पर्धी स्तर पर ले जा सकता है। इस मिशन से संचार, स्वास्थ्य, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों के साथ-साथ दवाओं के निर्माण और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों को बहुत लाभ होगा। यह डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास लक्ष्यों जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को व्यापक रूप से बढ़ावा देगा।

यह नया मिशन सुपरकंडक्टिंग और फोटोनिक तकनीक जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों में आठ वर्षों में 50-1000 भौतिक क्यूबिट की क्षमता वाला मध्यवर्ती स्तर का क्वांटम कंप्यूटर विकसित करने का इरादा रखता है। भारत के भीतर 2000 किलोमीटर की सीमा में ग्राउंड स्टेशनों के बीच उपग्रह आधारित सुरक्षित क्वांटम संचार, अन्य देशों के साथ लंबी दूरी का सुरक्षित क्वांटम संचार, 2000 किलोमीटर से अधिक के दायरे में अंतर-शहरी (इंटरसिटी) 'क्वांटम की' वितरण के साथ-साथ क्वांटम मेमोरी से लैस मल्टी-नोड क्वांटम नेटवर्क भी इस मिशन के अन्य अहम पहलू हैं।

यह मिशन सटीक समय, संचार और नेविगेशन के लिए परमाणु प्रणालियों और परमाणु घड़ियों में उच्च संवेदनशीलता से लैस मैग्नेटोमीटर विकसित करने में मदद करेगा। यह क्वांटम उपकरणों के निर्माण के लिए सुपरकंडक्टर्स, नवीन सेमीकंडक्टर संरचनाओं और सांस्थितिक (टोपोलॉजिकल) सामग्रियों आदि जैसी क्वांटम सामग्रियों के डिजाइन और संश्लेषण में भी सहायता करेगा। इसके तहत क्वांटम संचार, संवेदन और मौसम विज्ञान संबंधी अनुप्रयोगों के लिए एकल फोटॉन स्रोत/डिटेक्टर और उलझे हुए फोटॉन स्रोत भी विकसित किए जायेंगे।

क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम संचार, क्वांटम सेंसिंग एवं मेट्रोलॉजी और क्वांटम सामग्री एवं उपकरण के क्षेत्र में चार विषयगत केन्द्र (टी-हब) शीर्ष शैक्षणिक और राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थानों में स्थापित किए जायेंगे। ये केन्द्र (हब) मौलिक एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान के माध्यम से नए ज्ञान के सृजन पर ध्यान केन्द्रित करेंगे और साथ ही उन क्षेत्रों में भी अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देंगे, जिसकी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी जाएगी। ■

वित्त वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह 2013-14 से 172.83 प्रतिशत बढ़कर 19,68,780 करोड़ रुपये हुआ

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 13 अप्रैल को जारी एक बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 से 172.83 प्रतिशत से भी अधिक बढ़कर 19,68,780 करोड़ रुपये (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह 7,21,604 करोड़ रुपये का हुआ था। प्रत्यक्ष करों का शुद्ध संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 के 6,38,596 करोड़ रुपये से 160.17 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 16,61,428 करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया।

विज्ञप्ति के अनुसार प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह वित्त वर्ष 2021-22 में 126.73 प्रतिशत से भी अधिक बढ़कर 16,36,081 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह 7,21,604 करोड़ रुपये का हुआ था। प्रत्यक्ष करों का शुद्ध संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 के 6,38,596 करोड़ रुपये से 121.18 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 14,12,422 करोड़ रुपये हो गया।

वित्त वर्ष 2021-22 में प्रत्यक्ष कर उछाल 2.52 आंकी गई, जो कि पिछले 15 वर्षों में दर्ज की गई सर्वाधिक प्रत्यक्ष कर उछाल है। प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात वित्त वर्ष 2013-14 के 5.62 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 5.97 प्रतिशत हो गया। कर संग्रह की लागत वित्त वर्ष 2013-14 में कुल संग्रह के 0.57 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2021-22 में कुल संग्रह का 0.53 प्रतिशत रह गई है। ■

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब तक 23.2 लाख करोड़ रुपये के ऋण किए गए स्वीकृत

इस योजना के तहत लगभग 68% खाते महिला उद्यमियों के हैं और 51% खाते एससी/एसटी और ओबीसी श्रेणियों के उद्यमियों के हैं

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की सफल 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आठ अप्रैल को कहा कि इस योजना के शुभारंभ से लेकर 24 मार्च, 2023 तक 40.82 करोड़ ऋण खातों में लगभग 23.2 लाख करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इस योजना के तहत लगभग 68% खाते महिला उद्यमियों के हैं और 51% खाते एससी/एसटी और ओबीसी श्रेणियों के उद्यमियों के हैं। यह दर्शाता है कि देश के नवोदित उद्यमियों को आसानी से ऋण की उपलब्धता से नवाचार और प्रति व्यक्ति आय में सतत वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुद्रा योजना के 8 वर्ष पूरे होने पर इसकी सराहना की। मायगवइंडिया के ट्वीट की एक श्रृंखला के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने वित्त पोषण से वंचित लोगों का वित्त पोषण करने और असंख्य भारतीयों के लिए सम्मानित जीवन के साथ-साथ समृद्धि सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री मोदी ने कहा कि मैं उन सभी लोगों के उद्यमशीलता भरे उत्साह को सलाम करता हूं, जो इससे लाभान्वित हुए और संपदा के सृजनकर्ता बने।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि एमएसएमई के विकास ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में व्यापक योगदान दिया है, क्योंकि मजबूत घरेलू एमएसएमई की बदौलत घरेलू बाजारों के साथ-साथ निर्यात के लिए भी स्वदेश में उत्पादन काफी अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि पीएमएमवाई योजना से जमीनी स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार अवसर सृजित करने में मदद मिली है और यह भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ गेम चेंजर भी साबित हुई है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का शुभारंभ 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आय सृजित करने वाली गतिविधियों के लिए गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को 10 लाख रुपये तक के गिरवी-मुक्त सूक्ष्म ऋण आसानी से मुहैया कराने के उद्देश्य से किया गया था। 'पीएमएमवाई' के तहत ऋण दरअसल सदस्य ऋणदाता संस्थाओं (एमएलआई) यथा बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) और अन्य वित्तीय मध्यस्थों द्वारा प्रदान किए जाते हैं। ■

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए 13 क्षेत्रीय भाषाओं में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा आयोजित करने को मिली मंज़ूरी

इस निर्णय के परिणामस्वरूप लाखों उम्मीदवार अपनी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में परीक्षा में भाग ले सकेंगे, जिससे उनके चयन की संभावनाएं बढ़ेंगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक निर्णय के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 15 अप्रैल को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के लिए हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा आयोजित करने को मंजूरी दे दी। ये ऐतिहासिक निर्णय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की पहल पर सीएपीएफ में स्थानीय युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए लिया गया है।

प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी के अलावा असमिया, बंगाली, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, ओडिया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी और कोंकणी में तैयार

किया जाएगा। इस निर्णय के परिणामस्वरूप लाखों उम्मीदवार अपनी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में परीक्षा में भाग ले सकेंगे, जिससे उनके चयन की संभावनाएं बढ़ेंगी।

उल्लेखनीय है कि कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी), कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रमुख परीक्षाओं में से एक है, जिसमें देशभर से लाखों उम्मीदवार भाग लेते हैं। हिन्दी और अंग्रेज़ी के अतिरिक्त 13 क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा का आयोजन 01 जनवरी, 2024 से होगा।

इस निर्णय के बाद ये उम्मीद है कि राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारें स्थानीय युवाओं को अपनी मातृभाषा में परीक्षा देने के इस अवसर का उपयोग करने और देश की सेवा में करियर बनाने के लिए बड़ी संख्या में आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक अभियान शुरू करेंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय, क्षेत्रीय भाषाओं के उपयोग और विकास के प्रोत्साहन के लिए कटिबद्ध है। ■

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ई ग्राम स्वराज व सरकारी ई मार्केटप्लेस का किया एकीकरण

आज देश भर में ई ग्राम स्वराज शत-प्रतिशत कार्य कर रहा है, 2.3 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें और पारंपरिक स्थानीय निकाय पहले से ही ऑनलाइन भुगतान के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर 24 अप्रैल को पंचायत स्तर पर सार्वजनिक खरीद के लिए एकीकृत ई ग्राम स्वराज और सरकारी ई मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल का उद्घाटन किया। ई ग्राम स्वराज–सरकारी ई मार्केटप्लेस के एकीकरण का उद्देश्य पंचायतों को ई ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हुए जीईएम के माध्यम से अपने सामान और सेवाओं की खरीद करने में सक्षम बनाना है।

हमारा देश प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाता है। संविधान के (73वां संशोधन) अधिनियम, 1992 के माध्यम से पंचायती राज के संस्थागतकरण के साथ जमीनी स्तर पर सत्ता के विकेंद्रीकरण के इतिहास में 24 अप्रैल का दिवस एक निर्णायक क्षण है, जिस दिन इसे लागू किया गया था। साथ ही, इस वर्ष का राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस एक विशेष महत्व रखता है क्योंकि हम भारत में पंचायती राज के 30 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मना रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि ई ग्राम स्वराज (ईजीएस) का शुभारंभ 24 अप्रैल, 2020 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर किया गया था, इसे योजना से ऑनलाइन भुगतान तक पंचायतों के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए एकल खिड़की समाधान के रूप में संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

24 अप्रैल, 2020 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान के बाद इस पर तेजी से काम हुआ। आज देश भर में ई ग्राम स्वराज शत-प्रतिशत कार्य कर रहा है, 2.3 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें और पारंपरिक स्थानीय निकाय पहले से ही ऑनलाइन भुगतान के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं। अब तक इस प्रणाली के माध्यम से 1.35 लाख करोड़ से अधिक भुगतान ऑनलाइन किए जा चुके हैं।

ई ग्राम स्वराज — सरकारी ई मार्केटप्लेस एकीकरण की मुख्य विशेषताएं

- लगभग 60,000 के जीईएम के मौजूदा उपयोगकर्ता आधार को चरणबद्ध तरीके से 3 लाख से अधिक तक बढ़ाने की परिकल्पना की गई है।
- प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर पंचायतों द्वारा खरीद में पारदर्शिता लाना, पंचायतों द्वारा उठाई गई एक प्रमुख मांग है।
- स्थानीय विक्रेताओं (मालिकों, स्वयं सहायता समूहों, सहकारी समितियों आदि) को जीईएम पर पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित करना, क्योंकि पंचायतें बड़े पैमाने पर ऐसे विक्रेताओं से खरीद करती हैं। साथ ही, ऐसे वेंडर्स द्वारा ऑनलाइन बिक्री करने से उनके लिए नए बाजार खुल सकते हैं।
- मनमाने तरीके से ठेके देने पर रोक लगेगी, अनुपालक वेंडरों को समय पर भुगतान मिलेगा।
- पंचायतें मानकीकृत और प्रतिस्पर्धी दरों पर गुणवत्ता सुनिश्चित सामान की घर पर डिलीवरी तक पहुंच बनाएगी। ■

नौसेना बेस से बीएमडी इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने 21 अप्रैल, 2023 को बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के तट पर समुद्र आधारित एंडो-ऐटमौसफेयरिक बीएमडी इंटरसेप्टर की पहली उड़ान परीक्षण का सफलतापूर्वक संचालन किया। परीक्षण का उद्देश्य दुश्मन के बैलिस्टिक मिसाइल खतरे के प्रभाव को लक्षित करना और नष्ट करना था। यह भारतीय नौसेना को बीएमडी क्षमताओं वाले देशों के विशिष्ट समूह में स्थान दिला सकता है।

इससे पहले डीआरडीओ ने सतह आधारित बीएमडी प्रणाली की क्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया था और इस तरह दुश्मन की तरफ से आने वाली बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों को बेअसर करने की क्षमता हासिल की थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नौसेना प्लेटफॉर्म से बीएमडी इंटरसेप्टर का सफल परीक्षण करने पर डीआरडीओ और भारतीय नौसेना की सराहना की। प्रधानमंत्री ने भारतीय नौसेना के एक ट्वीट पर कहा कि हमारी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए हमारे वैज्ञानिकों को उनके निरंतर धैर्य और दृढ़ संकल्प के लिए बधाई।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने जहाज आधारित बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा क्षमताओं के सफल प्रदर्शन में शामिल डीआरडीओ, भारतीय नौसेना एवं उद्योग को बधाई दी। ■

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा

अटल बिहारी वाजपेयी

मुंबई में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय परिषद् में 28 दिसंबर, 1980 को
श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिए गए अध्यक्षीय भाषण का दूसरा भाग—

मानव मूल्यों की स्वीकृति

महात्मा और मार्क्स द्वारा प्रणीत समाजवाद में मौलिक अंतर है। गांधीवादी समाजवाद पुरातन काल से विकसित मानवीय मूल्यों से प्रारंभ करता है और फिर उन्हीं मूल्यों के आधार पर आर्थिक तथा सामाजिक व्यवस्थाओं के पुनर्निर्माण पर बल देता है। इसके विपरीत मार्क्स की विचारधारा में मानवीय मूल्य सामाजिक संबंधों, भौतिक परिस्थितियों और उत्पादन के ढंगों पर निर्भर करते हैं।

गांधीवाद और मार्क्सवाद—दोनों मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण को समाप्त करने का दावा करते हैं, किंतु मार्क्सवाद बिना अपनी चौखट को लांघे यह नहीं बता सकता कि वह ऐसा क्यों करना चाहता है। गांधीवाद इस आधारभूत मान्यता से ही प्रारंभ करता है कि मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण मानवीय मूल्यों की अवहेलना है।

मानव-मूल्यों के ह्रास के कारण शोषण

मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण मानवीय मूल्यों के विकास का परिणाम नहीं है। वास्तव में आर्थिक-सामाजिक व्यवस्थाओं की प्रगति के किसी दौर में तथा उस समय सक्रिय भौतिक शक्तियों के कारण मूल्यों का जो ह्रास हुआ, यह उसका परिणाम है। गांधी जी का समाजवाद इस बात पर बल देता है कि शोषणरहित समाज की रचना किसी मूल्यविहीन तथा वैज्ञानिक कही जानेवाली व्यवस्था का विकास जरूरी है, जिस पर सामाजिक परिवर्तन का ढांचा खड़ा किया जा सके तथा जिसे कसौटी बनाकर उस ढांचे की उपयोगिता को भी परखा जा सके।

मार्क्सवादी यह नहीं बता पाते कि पूंजीवाद की समाप्ति के बाद क्या होगा, सिवाय इसके कि वे एक वर्गविहीन समाज की रचना करेंगे। किंतु व्यवहार में तो उलटा ही दिखाई देता है। उनकी व्यवस्था एक क्रूर तथा अधिनायकवादी व्यवस्था में बदल जाती है, जिसमें सभी मानवीय मूल्य स्वाहा हो जाते हैं।

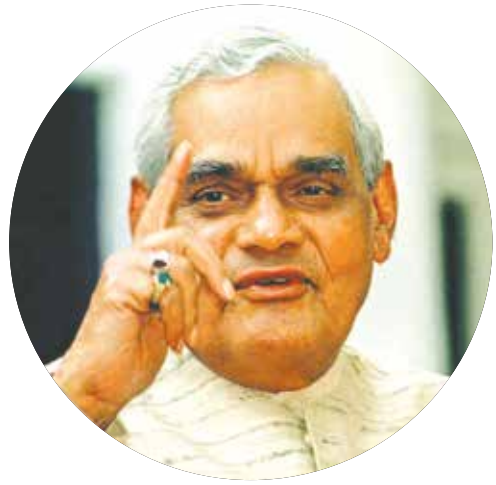

भौतिक आधार और वैज्ञानिक विधियां

मार्क्सवादी अथवा कथित वैज्ञानिक समाजवाद के हामी लोग बहुधा गांधी जी को विज्ञान विरोधी बताते हैं। वास्तविकता यह है कि वे जीवन भर सत्य की खोज में लगे रहे और विज्ञान भी सत्य की खोज का दावा करता है। किंतु वैज्ञानिक विधियों से मनुष्य अपने भीतर के सत्य को नहीं पा सकता, आत्म-साक्षात्कार नहीं कर सकता। भौतिक यथार्थ का पता लगाने के लिए विज्ञान तथा वैज्ञानिक विधियों उपयुक्त हैं। किंतु उनसे मनुष्य के मन की गहराई और उसकी विशालता को नहीं मापा जा सकता। गांधी जी का समाजवाद भौतिक और आध्यात्मिक दोनों तरह की वास्तविकता पर बल देता है और सत्य को देखने की ऐसी समग्र दृष्टि ही मानवीय मूल्यों का ज्ञान कराती है।

हिंसा का विरोध

मार्क्सवादी और गांधीवादी के बीच हिंसा के प्रश्न पर भी मौलिक अंतर है। सभी कम्युनिस्ट क्रांतियां हिंसा के बल पर ही हुई हैं और खेद का विषय है कि वे अपने लोगों के विरुद्ध हिंसा को अपनाकर ही खुद को बचा सकी हैं। मार्क्सवादी क्रांति अपने ही बच्चों को अपना भक्ष्य बनाती है। गांधी जी हर परिस्थिति में हिंसा का उपयोग करने के विरोधी नहीं थे, किंतु उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि भारत में सामाजिक परिवर्तन अथवा वर्ग संघर्ष की समस्या को सुलझाने के लिए हिंसा को हथियार बनाया गया तो अंतोगत्वा असफलता हो मिलेगी।

सत्ता का वितरण

गांधी और मार्क्स के बीच सत्ता के वितरण के प्रश्न, जिससे हिंसा की समस्या जुड़ी हुई है, पर भी गहरा मतभेद है। मार्क्सवादी समाजवाद का राज्य अथवा राजसत्ता के वितरण के बारे में कोई स्वतंत्र या मौलिक विचार नहीं है। यही कारण है कि मार्क्सवादी लोग लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते। गांधी जी ने मार्क्स की भांति राज्य के तिरोहित होने की बात तो कही, किंतु उन्होंने राज्य के हाथों में असीम 'अधिकार केंद्रित करने के विरुद्ध चेतावनी दी। गांधीवाद और मार्क्सवाद में एक मूल मतभेद इस बात पर

भी हैं कि राज्य के तिरोधान का मार्ग और उसकी प्रक्रिया क्या होगी। कम्युनिस्ट देशों में राज्य सर्वसत्ता संपन्न हो गया है और वह अपनी शक्ति का उपयोग श्रमजीवी वर्ग के खिलाफ ही कर रहा है। पोलैंड की हाल की घटनाएं इसका उदाहरण हैं।

विकेंद्रीकरण

गांधीवादी समाजवाद विकेंद्रीकरण को राज्य व्यवस्था का आधार बनाता है। इसमें राजनीतिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं की दो धाराएं होंगी, जो एक-दूसरे के समानांतर चलेंगी। एक धारा प्रातिनिधिक लोकतंत्र की होगी और दूसरी भागीदारी पर आधारित लोकतंत्र की आज हमारे देश में केंद्र में संसद् और प्रदेशों में विधानसभाओं के नीचे लोकतंत्र नदारद है। सारी शक्ति नौकरीशाही के हाथों में केंद्रित है। इस अवस्था में न तो लोगों को नवनिर्माण के प्रयत्न में जुटाया जा सकता है और न अपनी तकदीर का फैसला आप करने के कार्य में भागीदारी बनाया जा सकता है। पंचायतों और जिला परिषदों को वास्तविक शक्ति तथा वित्तीय संसाधन देने चाहिए। इनकी स्वायत्तता राज्य सरकार की कृपा पर निर्भर न रहकर संविधान द्वारा प्रदत्त हो।

ये तथा अन्य स्थानीय संस्थाएं न केवल अपने सदस्यों की तथा एक-दूसरे की सहायता करेंगी, प्रत्युत् ऊपर की इकाई से भी जुड़ी रहेंगी। अधिनायकवादी प्रवृत्तियों तथा रवैयों पर अंकुश रखने में इन संस्थाओं, जिन्हें गांधीजी 'स्थानीय गणतंत्र' कहते थे, की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी।

विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था

गांधीवादी समाजवाद आर्थिक शक्ति के एकाधिकार का भी पूर्ण विरोधी है, जबकि कम्युनिस्ट देशों में समाजवाद आर्थिक शक्ति पर राज्य के एकाधिकार का पर्यायवाची बन गया है। राजनीतिक शक्ति के साथ आर्थिक शक्ति का केंद्रीकरण दमन और आतंक पर आधारित शासन व्यवस्था का निर्माण करता है, जो मूलतः समाजवादी मान्यताओं के सर्वथा विरुद्ध है। आर्थिक सत्ता के राज्य में या कुछ मुट्ठी भर लोगों में केंद्रित होने से रोकने के लिए हमें विकेंद्रित अर्थव्यवस्था का अवलंबन करना होगा। साम्यवाद और पूंजीवाद दोनों ही एक नई प्रकार की विषमता, अमानवीयता, हिंसा, स्वार्थ, लोभ, अनियंत्रित उपभोगवाद तथा अन्यताभाव (एलीनेशन) आदि बुराइयों को जन्म देते हैं। गांधीजी का न्यासिता अथवा 'ट्रस्टीशिप' का सिद्धांत संसार को तीसरा रास्ता दिखा सकता है। 'ट्रस्टीशिप' का विचार पूंजीवाद और साम्यवाद—दोनों के अच्छे तत्त्व ले सकता है और बुरे तत्त्वों को छोड़ सकता है। यदि समाज को उत्पादक, उपभोक्ता, राज्य, पूंजी तथा श्रम-सभी के हितों में सामंजस्य बिठाना है और उनको एक संयुक्त प्रयास में भागीदार बनाना है तो 'ट्रस्टीशिप' के अलावा और कोई रास्ता नहीं है।

गांधीजी के 'ट्रस्टीशिप के विचार की विवेचना करते समय हमें यह समझना है कि यह केवल सत्ताधारियों की भलमनसाहत पर आधारित नहीं है। इसका सही महत्त्व संस्थागत परिवर्तन तथा संगठित जनशक्ति की भूमिका की पृष्ठभूमि में समझा जा सकता है।

यह खेद का विषय है कि 'ट्रस्टीशिप' के सिद्धांत को अमल में लाने की ओर हमारे देश में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, जबकि ब्रिटेन जैसे कुछ अन्य देश इस दिशा में प्रयोग कर रहे हैं।

यदि देश 1947 में ही गांधीजी के रास्ते पर चलने का फैसला करता तो आज हम अपने को जिस संकट में पाते हैं, उसका सामना हमें शायद नहीं करना पड़ता। 33 वर्षों के आर्थिक नियोजन और विकास के बाद भी गरीबी बढ़ रही है, विषमता में वृद्धि हो रही है और बेरोजगारी की समस्या ने एक विस्फोटक रूप धारण कर लिया है। देश की प्रवृत्ति और प्रतिभा के अनुरूप तथा अपने भौतिक और मानवीय साधनों को ध्यान में रखकर यदि हम विकास का स्वदेशी ढांचा अपनाते तो आज पश्चिमी पूंजीवाद और सोवियत नियोजन की बुराइयों से ग्रस्त इस दयनीय दशा में नहीं होते।

तीसरा विकल्प

सच्चाई यह है कि पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों जुड़वा भाई हैं। एक समानता को समाप्त करता है, तो दूसरा स्वतंत्रता को और दोनों ही बंधुत्व को मिटाते हैं। पूंजीवाद और साम्यवाद- दोनों ही अपनी चमत्कारिक उपलब्धियों के बावजूद आज अवनति की ओर बढ़ रहे हैं। साम्यवादी देशों में अधिकाधिक विषमता जन्म ले रही है। पूंजीवादी देशों में स्वतंत्रता को और अधिक सीमित करने के प्रयास चल रहे हैं। विश्व को एक तीसरे विकल्प की खोज है। पूंजीवाद और साम्यवाद — दोनों को ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिनका उत्तर इन व्यवस्थाओं के पास नहीं है।

राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर भी पूंजीवादी और मार्क्सवादी प्रणालियों में कोई विशेष अंतर नहीं दिखाई देता। पूंजीवादी देशों की तुलना में साम्यवादी देश कुछ कम विस्तारवादी सिद्ध नहीं हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी गांधीवादी समाजवाद को तीसरे विकल्प के रूप में स्वीकृत कराने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान संगठित करेगी।

सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता

प्राचीन काल से चली आ रही अपने देश की परंपरा के अनुरूप हम धर्मनिरपेक्षता के आदर्श से प्रतिबद्ध हैं। धर्मतंत्रीय राज्य हमारी परंपरा के प्रतिकूल है एक 'सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' में अभिव्यक्त मान्यता हमारी जीवन-दृष्टि का एक मूलभूत तत्त्व रही है। राज्य ने विभिन्न धर्मों के अनुयायियों के बीच भेदभाव नहीं किया। सर्वधर्म समभाव की उस मनोवृत्ति का ही परिणाम था कि 1947 में जब हम स्वतंत्र हुए, तब (यद्यपि उस समय देश भीषण धार्मिक उन्माद से ग्रस्त था) हमने ऐसी राज्य-व्यवस्था स्थापित करने का निश्चय किया, जिसमें सभी धर्मों के अनुयायियों का स्थान बराबर हो, नागरिकों में न कोई प्रथम श्रेणी का हो, न कोई द्वितीय श्रेणी का। ■

क्रमशः

मोदी स्टोरी

प्रधानमंत्री मोदीजी का अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस

— नीता सेवक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने जीवन के शुरुआती दिनों से ही अन्याय की निंदा करने और नागरिकों एवं उनके अधिकारों के लिए खड़े होने का साहस दिखाते रहे हैं। ऐसे कई मौके आए हैं जब श्री मोदी अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे और अपने पूरे सार्वजनिक जीवन में आम लोगों के अधिकारों के लिए लड़ते रहे।

गुजरात में राष्ट्र सेविका समिति की श्रीमती नीता सेवक ने एक किस्सा साझा किया कि कैसे श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शुरुआती वर्षों में एक अवसर पर अन्याय की निंदा की।

श्री नरेन्द्र मोदी एक बार एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्य परिवहन की बस से गुजरात के धंधुका गांव जा रहे थे। उनके साथ श्रीमती नीता सेवक भी सफर कर रही थीं। उसी बस में एक बुजुर्ग महिला गलती से सवार हो गई थी। जब कंडक्टर टिकट के लिए उसके पास पहुंचा, तो उसने उसे अपनी मंजिल बता दी। कंडक्टर ने तब जवाब दिया कि बस उस रूट पर नहीं जा रही थी।

पहले से ही गलत बस में चढ़ने से परेशान महिला उतरना चाहती थी, लेकिन कंडक्टर ने यह कहकर बस को रोकने से इनकार कर दिया कि बस अगले स्टॉप पर ही रुकेगी।

कुछ देर बाद कंडक्टर ने बस को रोक दिया, ताकि एक स्टाफ सदस्य को रूट पर आवंटित स्टॉपेज के बिना बस में चढ़ाया जा सके।

इसके बाद श्री नरेन्द्र मोदी ने कंडक्टर के रवैये को लेकर उसका विरोध किया। उन्होंने उसे सख्ती से कहा कि राज्य परिवहन की बस जनता के लिए है, न कि कंडक्टर के निजी इस्तेमाल के लिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह सरकार द्वारा आम आदमी को प्रदान की जाने वाली सुविधा है, एक कर्मचारी होने का मतलब यह नहीं है कि कंडक्टर इसे अपने तरीके से चलाने का हकदार है।

कंडक्टर के रवैये को अनुचित बताते हुए श्री मोदी ने उसे डांटा और चेतावनी दी कि वह उसके व्यवहार के खिलाफ शिकायत करेंगे।

फिर, श्री मोदी ने बस को रुकवाया और बुजुर्ग महिला को बस से उतरने में मदद की।

इसके बाद श्री मोदी वापस कंडक्टर के पास आए और कहा कि वह किसी और के साथ ऐसा व्यवहार न दोहराएं। उन्होंने कंडक्टर को उन लोगों की मदद करने का भी सुझाव दिया जो जरूरतमंद हैं, विशेष रूप से यदि वह व्यक्ति बुजुर्ग है और उसे सहायता की आवश्यकता है। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

शहीद एस. मधुमंगोल शर्मा
इंफाल, मणिपुर
(राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य)

शहीद एस. मधुमंगोल शर्मा भाजपा के समर्पित सदस्य थे। राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया और 19 महीने के लिए जेल में रखा गया। श्री शर्मा बाद में भाजपा में शामिल हो गए और क्षेत्र में शांति लाने की दिशा में काम करना जारी रखा। उनकी हत्या आतंकियों ने की थी। ■

शहीद एस. मधुमंगोल शर्मा

(22 अक्टूबर, 1938)

सक्रिय वर्षः 1965 - 1995

स्थान - राज्य / जिला - इंफाल, मणिपुर

राष्ट्रीय रोजगार मेला

एनडीए शासित राज्यों में सरकारी भर्ती की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चुने गए नवनियुक्त कर्मियों को भारत सरकार के तहत ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, वरिष्ठ वाणिज्यिक लिपिक सह टिकट लिपिक, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, कनिष्ठ लेखापाल, डाक सहायक, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स सहायक, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई/सुपरवाइजर, सहायक प्रोफेसर, शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नर्स, परिवीक्षा अधिकारी, पीए, एमटीएस और अन्य जैसे पदों पर कार्य करने के लिए शामिल किया जाएगा।

नवनियुक्त कर्मियों को 'कर्मयोगी प्रारंभ' के माध्यम से स्वयं को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नवनियुक्त कर्मियों के लिए एक ऑनलाइन उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम है। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान 45 स्थानों को मेले से जोड़ा गया।

श्री मोदी ने कहा कि सरकार एक विकसित भारत के संकल्प की प्राप्ति के लिए युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को सही अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एनडीए शासित राज्यों में, गुजरात से लेकर असम और उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र तक, सरकारी भर्ती की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान पूंजीगत व्यय में चार गुना बढ़ोतरी

श्री मोदी ने रोजगार सृजन के मामले में बुनियादी ढांचे में निवेश की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय पर जोर दिए जाने के कारण सड़क, रेलवे, बंदरगाह और भवन जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की रोजगार क्षमता पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान पूंजीगत व्यय में चार गुना बढ़ोतरी हुई है।

वर्ष 2014 से पहले और बाद के घटनाक्रमों का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने भारतीय रेलवे का उल्लेख किया और यह बताया कि 2014 से पहले के सात दशकों के दौरान जहां केवल 20,000 किलोमीटर रेल लाइनों का ही विद्युतीकरण हुआ था, वहीं पिछले 9 सालों के दौरान 40,000 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 8 करोड़ नए उद्यमी तैयार किए

श्री मोदी ने बढ़ती उद्यमशीलता और छोटे उद्योगों की मदद के बारे में भी बात की। उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का भी उल्लेख किया। इस योजना ने हाल ही में अपने 8 वर्ष पूरे किए हैं। इस योजना के तहत 23 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बैंक गारंटी मुक्त ऋण वितरित किए गए हैं और इसकी 70 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना ने 8 करोड़ नए उद्यमी तैयार किए हैं।

उल्लेखनीय है कि रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। यह उम्मीद की जाती है कि रोजगार मेला आगे और रोजगार सृजित करने की दिशा में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। ■

'मध्य प्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान करने का अभियान तेज गति से चल रहा है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश में नवनियुक्त शिक्षकों के आयोजित कार्यक्रम को 12 अप्रैल को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान करने का अभियान तेज गति से चल रहा है, जहां विभिन्न जिलों में रोजगार मेले आयोजित कर हजारों युवाओं की विभिन्न पदों पर भर्ती की गई है। श्री मोदी ने बताया कि शिक्षकों के पद के लिए 22,400 से अधिक युवाओं की भर्ती की जा चुकी है। उन्होंने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं को शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में शामिल होने के लिए बधाई दी।

श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि मध्य प्रदेश सरकार ने इस वर्ष एक लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती करने का लक्ष्य तय किया है, जिसमें 60 हजार शिक्षकों की भर्ती शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में शिक्षा की गुणवत्ता में एक बड़ी छलांग लगाई है। ■

असम ए-वन राज्य बनता जा रहा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल को असम में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण किया। वे एक विशाल बिहू नृत्य कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने एम्स, गुवाहाटी और तीन अन्य मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने गुवाहाटी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जुबली समारोह कार्यक्रम को संबोधित भी किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल को असम के गुवाहाटी के सरुसजई स्टेडियम में 10,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। परियोजनाओं में ब्रह्मपुत्र नदी पर पलाशबाड़ी और सुआलकुची को जोड़ने वाले पुल का शिलान्यास करना, शिवसागर में रंग घर के सौंदर्यीकरण के लिए एक परियोजना, नामरूप में 500 टीपीडी मेन्थॉल संयंत्र का उद्घाटन और पांच रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करना शामिल है। प्रधानमंत्री ने दस हजार से अधिक बिहू कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग बिहू कार्यक्रम भी देखा।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज के शानदार नजारे को देखने वाला कोई भी व्यक्ति अपने पूरे जीवनकाल में इसे कभी नहीं भूलेगा। ये अकल्पनीय है, ये अभूतपूर्व है। ये असम है। उन्होंने कहा कि ढोल, पेपा और गोगोन की आवाज आज पूरे भारत में सुनी जा सकती है। असम के हजारों कलाकारों के प्रयास और तालमेल को देश के साथ-साथ दुनिया भी बड़े गर्व के साथ देख रही है। इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कलाकारों के जोश और उत्साह की सराहना की। प्रधानमंत्री ने विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य की अपनी यात्रा को याद किया जब उन्होंने उस दिन के बारे में कहा था कि जब लोग 'ए फॉर असम' की आवाज उठाएंगे और कहा कि राज्य आखिरकार ए-वन राज्य बन रहा है। श्री मोदी ने बिहू के अवसर पर असम और देश के लोगों को बधाई दी।

> **भारत की विशेषता इसकी परम्पराएं हैं जो हजारों वर्षों से प्रत्येक भारतीय को एक साथ जोड़ती रही हैं। साथ ही, राष्ट्र गुलामी के बुरे और भयावह समय में एक साथ खड़ा रहा और भारत की संस्कृति और विरासत ने अनेक हमले झेले**

भारत की विशेषता इसकी परम्पराएं हैं

प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि भारत की विशेषता इसकी परम्पराएं हैं जो हजारों वर्षों से प्रत्येक भारतीय को एक साथ जोड़ती रही हैं। उनका मानना था कि राष्ट्र गुलामी के बुरे और भयावह समय में एक साथ खड़ा रहा और भारत की संस्कृति और विरासत ने अनेक हमले झेले। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अमर रहा, भले ही इसने शक्तियों और शासकों में कई बदलाव देखे जो आए और चले गए। श्री मोदी ने टिप्पणी की कि प्रत्येक भारतीय की चेतना देश की मिट्टी और परंपराओं से बनी है और यह विकसित भारत की नींव भी है।

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि कनेक्टिविटी को एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक ले जाने को काफी लंबे समय तक बहुत ही संकीर्ण सोच के साथ देखा जाता था। श्री मोदी ने कहा कि आज कनेक्टिविटी के प्रति संपूर्ण दृष्टिकोण बदल गया है। उन्होंने कहा कि आज, कनेक्टिविटी एक चार-आयामी उद्यम (महायज्ञ) है। उन्होंने कहा कि ये चार आयाम भौतिक संपर्क, डिजिटल संपर्क, सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक संपर्क हैं।

श्री मोदी ने कहा कि उत्तर पूर्वी क्षेत्र में हालांकि कनेक्टिविटी का अभाव हमेशा एक समस्या रही, जिसे वर्तमान सरकार द्वारा इस इलाके में सड़क, रेल और हवाई संपर्क पर जोर देकर दूर किया जा रहा है। पिछले 9 वर्षों के दौरान कनेक्टिविटी के विस्तार से जुड़ी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र के अधिकांश गांवों के लिए समग्र सड़क कनेक्टिविटी, नए हवाई अड्डों पर पहली बार कामकाज शुरू होने और वाणिज्यिक उड़ानें संचालित किए जाने, मणिपुर और त्रिपुरा में ब्रॉड गेज ट्रेनों के पहुंचने, पूर्वोत्तर में पहले की तुलना में तीन गुना तेजी से नई रेल लाइनें बिछाए जाने और रेल लाइनों का दोहरीकरण पहले की तुलना में लगभग 10 गुना तेजी से होने का उल्लेख किया।

रेल पहली बार असम के एक बड़े हिस्से में पहुंची है

श्री मोदी ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आज 6,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की पांच रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है, जो असम सहित उत्तर पूर्वी क्षेत्र के एक बड़े हिस्से के विकास को गति प्रदान करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेल पहली बार असम के एक बड़े हिस्से में पहुंची है और रेल लाइनों के दोहरीकरण से असम के साथ-साथ मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नागालैंड को आसानी से जोड़ा जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आस्था और पर्यटन स्थलों की यात्रा अब आसान हो जाएगी।

श्री मोदी ने कहा कि विकास के लिए विश्वास का धागा समान रूप से ही सशक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप आज पूर्वोत्तर में हर जगह स्थायी शांति है। कई युवा हिंसा का मार्ग त्याग कर विकास के पथ पर चलने लगे हैं। श्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में अविश्वास का भाव दूर हो रहा है और दिलों के बीच की दूरियां भी मिट रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आजादी के अमृत काल में विकसित भारत के निर्माण के लिए हमें इस माहौल को और आगे ले जाना होगा। श्री मोदी ने कहा कि हमें 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना से आगे बढ़ना है।

इस अवसर पर असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री श्री हेमंता बिस्वा सरमा, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली तथा असम सरकार के मंत्री भी अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ उपस्थित थे। ■

पीएम गतिशक्ति एनएमपी को मिला प्रधानमंत्री लोक प्रशासन उत्कृष्टता पुरस्कार, 2022

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 अप्रैल को 16वें सिविल सेवा दिवस समारोह पर उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) को प्रतिष्ठित 'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए 'नवाचार-केन्द्रीय' श्रेणी में प्रधानमंत्री लोक प्रशासन उत्कृष्टता पुरस्कार, 2022 प्रदान किये।

श्री मोदी ने पीएम गतिशक्ति के तहत किए गए प्रयासों की सराहना की और सभी संबंधित मंत्रालयों और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए आगे का विज़न निर्धारित किया। उन्होंने किसी भी अवसंरचना से संबंधित सभी डेटा स्तरों पर प्रकाश डाला, जो एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं और सामाजिक क्षेत्र में बेहतर योजना-निर्माण और निष्पादन के लिए इसका अधिकतम उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री मोदी ने आगे कहा कि इससे नागरिकों की जरूरतों की पहचान करने, भविष्य में उत्पन्न होने वाले शिक्षा से संबंधित मुद्दों से निपटने और विभागों, जिलों तथा ब्लॉकों के बीच संचार बढ़ाने के साथ-साथ भविष्य की रणनीति तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

वर्तमान में पीएम गतिशक्ति एनएमपी में 1450+ डेटा लेयर हैं, जो केंद्रीय मंत्रालयों (585) और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों (870+) से संबंधित हैं। अवसंरचना, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े मंत्रालयों/विभागों सहित 30 से अधिक केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों और सभी 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को इसमें शामिल किया गया है। सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह (ईजीओएस), नेटवर्क योजना-निर्माण समूह (एनपीजी) और तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू) की संस्थागत व्यवस्था मौजूद है और राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर पूरी तरह से संचालन में है।

समय और लागत में बचत, अनुकूल योजना-निर्माण, तेजी से मंजूरी, लागत प्रभावी कार्यान्वयन, परियोजना के लंबित होने में कमी, अंतर-मंत्रालयी समन्वय में आसानी आदि के सन्दर्भ में सभी मंत्रालय/विभाग और राज्य/केंद्रशासित प्रदेश, पीएम गतिशक्ति एनएमपी पर योजना-निर्माण का उपयोग कर रहे हैं और इससे लाभान्वित हुए हैं।

व्यापक क्षेत्र विकास पर पहल — समन्वय आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से एक तर्कसंगत भौगोलिक स्थान के भीतर एक सतत तरीके से सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने के लिए पर्याप्त अवसंरचना-निर्माण के विज़न के साथ पीएम गतिशक्ति क्षेत्र दृष्टिकोण भी शुरू किया जा रहा है। ■

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) : जिसने आपके 40,000 करोड़ रुपये बचाए

पीयूष गोयल

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने 2022-23 में आखिरकार एक ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल कर ही लिया है। इसके माध्यम से भारत सरकार, राज्य सरकारों, आधिकारिक एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सहकारी समितियों ने एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख ऑनलाइन लेनदेन के साथ 2 लाख करोड़ रुपये (24 बिलियन डॉलर) से अधिक मूल्य की वस्तुओं की खरीदारी की, जो समावेशी विकास, पारदर्शिता, दक्षता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जीईएम वास्तव में एक महत्वपूर्ण पहल है जिसने आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय (डीजीएसएंडडी) का स्थान लिया है। गौरतलब है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नए कार्यालय भवन का निर्माण उस भूमि पर किया गया है जिस पर कभी डीजीएसएंडडी हुआ करता था। भवन के शिलान्यास समारोह में मोदीजी ने उपयुक्त ही कहा था, "अब यह 100 साल से अधिक पुराना संगठन बंद कर दिया गया है और इसकी जगह डिजिटल तकनीक पर आधारित निकाय – गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस ने ले ली है। जीईएम ने सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं की खरीद के तरीके में पूरी तरह से क्रांति ला दी है।"

जीईएम के शानदार सात वर्ष

अगस्त, 2016 में स्थापित होने के बाद से जीईएम में शानदार वृद्धि हुई है। पोर्टल पर लेनदेन का कुल मूल्य 2022-23 में लगभग दोगुना होकर पिछले वित्त वर्ष के 1.07 लाख करोड़ रुपये से 2.01 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह यात्रा 2016-17 में 422 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ शुरू हुई थी।

मोदी सरकार के 'न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन' के मिशन और सरकारी प्रणालियों को ईमानदार, प्रभावी और सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की उनकी रणनीति के साथ वस्तुओं और सेवाओं की सार्वजनिक

> अगस्त, 2016 में स्थापित होने के बाद से जीईएम में शानदार वृद्धि हुई है। पोर्टल पर लेनदेन का कुल मूल्य 2022-23 में लगभग दोगुना होकर पिछले वित्त वर्ष के 1.07 लाख करोड़ रुपये से 2.01 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह यात्रा 2016-17 में 422 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ शुरू हुई थी

खरीद को संरेखित करने के लिए पोर्टल लॉन्च किया गया था। जीईएम की पारदर्शी प्रणालियों जैसे प्रतिस्पर्धी बोली ने, सरकारी विभागों और उपक्रमों को करदाता के पैसे के लगभग 40,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की है। इस तरह की पहलों ने मोदी सरकार को राजकोषीय स्थिति से समझौता किए बिना कल्याणकारी व्यय को काफी हद तक बढ़ाने में मदद की है।

मैनुअल से डिजिटल में बदलाव

जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से हुई इसकी अभूतपूर्व वृद्धि से बहुत आगे निकल गया है, जो किसी भी प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनी को सतर्क कर रहा है। अब नई प्रणाली ने सदियों पुरानी मैन्युअल प्रणाली की जगह ली है, जो अक्षमताओं और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी। सरकारी खरीद अपारदर्शी, समय लेने वाली, बोझिल और भ्रष्टाचार से युक्त हुआ करती थी।

केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोग ही इन विशाल बाधाओं को तोड़ सकते हैं।

खरीदारों के पास अक्सर बेईमान आपूर्तिकर्ताओं से उच्च, गैर-परक्राम्य दरों पर घटिया सामान खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता था।

संभावित ग्राहकों को पूरी तरह से सुविधा प्रदान करने वाली एजेंसी की दया पर रहना होता था, साथ ही सूचीबद्ध होने के लिए और फिर समय पर भुगतान प्राप्त करने के लिए दर-दर भटकना पड़ता था।

इसके विपरीत, प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफॉर्म के माध्यम से विक्रेता पंजीकरण, ऑर्डर प्लेसमेंट और भुगतान प्रसंस्करण में मुश्किल से ही कोई मानवीय हस्तक्षेप होता है। हर कदम पर खरीदार, उसके संगठन के प्रमुख, भुगतान करने वाले अधिकारियों और विक्रेताओं को एसएमएस और ई-मेल द्वारा सूचनाएं भेजी जाती हैं।

पेपरलेस, कैशलेस और फेसलेस जीईएम खरीदारों को प्रतिस्पर्धी दरों पर सीधे असीमित विक्रेताओं से सामान और सेवाएं प्राप्त करने की आजादी देता है। इस नई, प्रतिस्पर्धी प्रणाली ने सार्वजनिक खरीद की प्रक्रिया को बदल दिया है और एमएसएमई और छोटे व्यवसायियों को वांछित सरकारी संस्थानों तक पहुंच प्रदान की है।

स्वतंत्र शोध जीईएम को मान्यता प्रदान करता है

डेटा और व्यावहारिक तृतीय-पक्ष

विश्लेषण जीईएम की सफलता की गवाही देते हैं। विश्व बैंक और आईआईएम, लखनऊ द्वारा किए गए एक स्वतंत्र अध्ययन में औसत मूल्य से औसतन 10 प्रतिशत बचत का अनुमान लगाया गया है। विश्व बैंक ने कहा है कि प्रत्येक नई बोली लगाने वाले के जुड़ने से बचत में 0.55% की वृद्धि हुई है।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के एक अध्ययन से पता चला है कि 2021-22 में वार्षिक लागत बचत 8-11 प्रतिशत थी। मोदीजी ने उचित रूप से जीईएम के उद्देश्य को 'न्यूनतम मूल्य और अधिकतम सुलभता, दक्षता एवं पारदर्शिता' के रूप में अभिव्यक्त किया।

पोर्टल पर:

- 11,500 से अधिक उत्पाद श्रेणियां हैं।
- 3.2 मिलियन से अधिक सूचीबद्ध उत्पाद हैं।

जेईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संगठनों की विविध खरीद आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है, जिन्होंने मिलकर लगभग 40,000 करोड़ रुपये बचाए हैं। यह सभी खरीदारों और विक्रेताओं को समान अवसर देता है

- इसमें 280 से अधिक सेवा श्रेणियां हैं, जिनके माध्यम से 2.8 लाख से अधिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

जीईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संगठनों की विविध खरीद आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है, जिन्होंने मिलकर लगभग 40,000 करोड़ रुपये बचाए हैं। यह सभी खरीदारों और विक्रेताओं को समान अवसर देता है।

राज्यों ने लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दिये हैं। राज्यों ने स्टार्ट-अप्स को 1,109 करोड़ रुपये के ऑर्डर भी दिए हैं, जो इस बात को प्रमाणित करता है कि जीईएम के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों में चलने वाले अपेक्षाकृत कमजोर व्यवसायियों तक ग्राहकों की पहुंच सुनिश्चित हो रही है।

पुरानी और गहरी जड़ें जमा चुकी खरीद प्रक्रियाओं को पुनर्गठित करने में होने वाली जटिलताओं को देखते हुए यह विश्व स्तर पर बदलाव लाने का सबसे बड़ा प्रयास है। इस पोर्टल की सफलता पूरी अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है, क्योंकि यह 'अमृत काल' के दौरान दक्षता को बढ़ा रहा है और जैसाकि मोदीजी के निर्णायक एवं दूरदर्शी नेतृत्व में भारत 2047 तक एक विकसित देश बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। ■

प्रधानमंत्री ने विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में भारत की 16 स्थानों की शानदार प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अप्रैल को विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में भारत की 16 स्थानों की शानदार प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि हमारे सुधारों द्वारा संचालित और लॉजिस्टिक अवसंरचना में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने से जुड़ा एक उत्साहजनक रुझान। इससे लागत कम होगी और हमारे कारोबार अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने अपने ट्वीट में कहा कि लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में शानदार प्रगति। श्री गोयल ने अपने ट्वीट में एक ग्राफ भी साझा किया जिसमें दिखाया गया है कि भारत ने आठ वर्षों में विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में 16 स्थानों की प्रगति की है। गौरतलब है कि भारत 2014 में 54वीं रैंक पर था, जबकि 2022 में यह 38वें स्थान पर पहुंच गया। ■

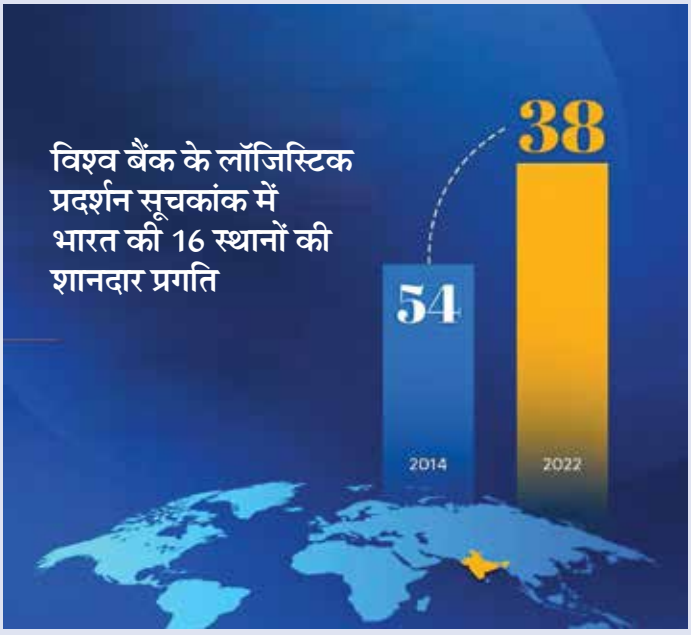

जैसाकि 'मन की बात' 100 के आंकड़े को छू रहा है; इसने देश भर में बड़े पैमाने पर जन प्रयासों को एक नयी गति दी है

अनुराग सिंह ठाकुर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को वैश्विक स्तर पर एक असाधारण प्रतिभा वाले संप्रेषक के रूप में स्वीकार किया जाता है जो जनता के साथ त्वरित संबंध स्थापित कर लेते हैं। उनका व्याख्यात्मक कौशल उनकी क्षमताओं का केवल एक उदाहरण हैं। जिस ईमानदारी के साथ वह बोलते हैं, जिस ईमानदारी के लिए वह जाने जाते हैं और पिछले आठ वर्षों में उन्होंने लोगों के साथ जो विश्वास-आधारित संबंध बनाए हैं, वे सभी एक जन वक्ता के रूप में उनके कौशल को और अधिक निखारते है।

उनके समावेशी दृष्टिकोण को जनसांख्यिकी में अभूतपूर्व स्वीकृति मिली है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी का विकास का जन-केंद्रित मॉडल है जिसने उन्हें बड़ी संख्या में लोगों का प्रिय बना दिया है और यह लोगों के साथ निरंतर संवाद का उनका गैर-अभिजात्य विचार है, जिसे अब हम 'मन की बात' के रूप में जानते हैं, जिसका शुभारंभ अक्टूबर, 2014 को किया गया था। वर्षों से यह निरंतर महीने के आखिरी रविवार को प्रसारित किया जा रहा है। यह एक रेडियो वार्ता के रूप में आरंभ हुआ था और अब इसे विभिन्न प्लेटफार्मों से कई भाषाओं में प्रसारित किया जा रहा है।

'मन की बात' से हम मोदीजी के व्यक्तित्व के दो पहलुओं से अवगत होते हैं— पहला, एक मजबूत, शक्तिशाली, उद्देश्यपूर्ण प्रधानमंत्री मोदी; और दूसरा, विनम्र, सज्जन और परिवार के नेतृत्वकर्ता मोदीजी। अगर आप आंख बंद करके मन की बात सुनेंगे तो आपको लगेगा कि मोदीजी गांव की चौपाल पर बैठे हैं, लोगों से बातचीत कर रहे हैं, सुन रहे हैं, उनसे बात कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें सलाह भी दे रहे हैं, या किसी अनुकरणीय कार्य के लिए किसी की तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने ऐसे दुर्घटना पीड़ित परिवारों के साथ अपनी बातचीत साझा की, जिन्होंने अपने प्रियजनों के अंग दान करने का फैसला किया था। मोदीजी ने उस बातचीत का इस्तेमाल अंगदान के नेक विचार को बढ़ावा देने के लिए किया।

> अगर आप आंख बंद करके मन की बात सुनेंगे तो आपको लगेगा कि मोदीजी गांव की चौपाल पर बैठे हैं, लोगों से बातचीत कर रहे हैं, सुन रहे हैं, उनसे बात कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें सलाह भी दे रहे हैं, या किसी अनुकरणीय कार्य के लिए किसी की तारीफ कर रहे हैं

ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जिनमें जलवायु समस्या से निपटने से लेकर स्वास्थ्य और स्वच्छता तक और नागरिकों को उनके श्रेष्ठ कार्यों के लिए बधाई देने तक शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की मन की बात अनिवार्य रूप से वास्तविक जीवन की कहानियों और अनुभवों के बारे में है, ऐसी कहानियां जो वास्तविक भारत को दर्शाती हैं जो लुटियंस दिल्ली की संकीर्ण सीमाओं से परे मौजूद है। जो बताता है कि मन की बात का प्रत्येक एपिसोड इतना लोकप्रिय क्यों है और इसे हजारों प्रतिक्रियाएं क्यों मिलती हैं। यह कार्यक्रम नागरिकों का स्नेह प्राप्त करता है, क्योंकि यह उनकी चिंताओं के बारे में है।

'मन की बात' का पहला एपिसोड 3 अक्टूबर, 2014 को प्रसारित किया गया था। यह 30 अप्रैल, 2023 को 100 एपिसोड पूरे करेगा। मन की बात अपनी विषय वस्तु, डिजाइन, बातचीत और लोगों के साथ संवाद करने के मामले में अद्वितीय है। ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से 262 स्टेशनों और 375 से अधिक निजी और सामुदायिक स्टेशनों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा रेडियो नेटवर्क - प्रधानमंत्री की बात को सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से विविध आबादी वाले एक विशाल जनसमूह तक पहुंचाता हैं। उन्हें न केवल सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मुद्दों को लेकर प्रेरित करता हैं, बल्कि दुनिया की चुनौतीपूर्ण समस्याओं जैसेकि जलवायु संकट, अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा संकट आदि के प्रति भी जागरूक बनाता है।

प्रसार भारती 52 भाषाओं और बोलियों में 'मन की बात' का अनुवाद और प्रसारण करता है, जिसमें 11 विदेशी भाषाएं भी शामिल हैं। इस कारण यह कार्यक्रम देश के सबसे दूरस्थ क्षेत्रों के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भारतीय डायस्पोरा तक अपनी पहुंच को सुनिश्चित करता है। 'मन की बात' भारत का पहला वस्तुतः पहला रेडियो कार्यक्रम है जो टीवी चैनलों द्वारा एक साथ प्रसारित किया जाता हैः दूरदर्शन नेटवर्क के 34 चैनल और 100 से अधिक निजी सैटेलाइट टीवी चैनल इस अभिनव कार्यक्रम को पूरे देश में प्रसारित करते हैं, जिससे इस पारंपरिक माध्यम के प्रति नए सिरे से लोगों की रुचि पैदा हुई है। फरवरी, 2022 से हर महीने विशेषज्ञों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के चेंजमेकर्स के लेखों के साथ एक स्मार्ट क्यूरेटेड बुकलेट भी प्रकाशित की जाती है, जो डिजिटल रूप से 60 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंचती

है।

इतने बड़े प्रभाव के साथ, 'मन की बात' को सामाजिक क्रांति के रूप में देखा गया है, जो जनभागीदारी को एक नया आयाम देता है। इस कार्यक्रम की परिकल्पना और कार्यान्वयन नागरिकों की भागीदारी और भागीदारी के विचार पर टिकी हुई है, जो कार्यक्रम के नाम से लेकर विषयों के चयन और प्रधानमंत्री द्वारा इस कार्यक्रम में शामिल किए जाने वाले कार्यों में परिलक्षित होती है।

'मन की बात' का प्राथमिक उद्देश्य प्रधानमंत्री और नागरिकों के बीच सीधा संबंध स्थापित करना है। हर महीने प्रधानमंत्री को देश भर से लाखों पत्र मिलते हैं। कार्यक्रम के दौरान लोगों के साथ टेलीफोन पर बातचीत करना भी उनके लिए सामान्य बात है। जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच संचार का ऐसा तरीका लोकतंत्र और शासन में जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत करता है।

आठ वर्षों में अपने 99 एपिसोड के सफल प्रसारण के दौरान मन की बात ने न केवल महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया है, बल्कि नागरिकों को सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर पहल करने के लिए भी प्रेरित किया है। अपनी स्थापना के बाद से मन की बात कार्यक्रम जन आंदोलन के एक प्रभावी उपकरण के

'मन की बात' का प्राथमिक उद्देश्य प्रधानमंत्री और नागरिकों के बीच सीधा संबंध स्थापित करना है। हर महीने प्रधानमंत्री को देश भर से लाखों पत्र मिलते हैं। कार्यक्रम के दौरान लोगों के साथ टेलीफोन पर बातचीत करना भी उनके लिए सामान्य बात है। जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच संचार का ऐसा तरीका लोकतंत्र और शासन में जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत करता है

रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सामाजिक संदेश कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगते हैं और कुछ ही हफ्तों में एक जन आंदोलन बन जाते हैं। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, कोविड-19 टीकाकरण और हर घर तिरंगा इसके कुछ शानदार उदाहरण हैं। हाल ही में, मन की बात के 88वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और नागरिकों से अपने इलाके में अमृत सरोवर बनाने का आग्रह किया। कुछ महीनों के भीतर यह संदेश एक जन आंदोलन में परिवर्तित हो गया और देश भर में कई अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया।

एक सशक्त भारत के निर्माण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए मन की बात हमारी राष्ट्रीय और वैश्विक सफलताओं को सामने लाने पर केंद्रित है, जो नागरिकों में गर्व, अपनेपन और राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने के साथ लोगों से राष्ट्र के विकास में भाग लेने का आग्रह करता है।

89वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने भारत के 100 यूनिकॉर्न्स को लेकर चर्चा की। 91वें एपिसोड में हर घर तिरंगा अभियान की सामूहिक भागीदारी और राष्ट्रव्यापी सफलता का जश्न मनाया गया। 'मन की बात' के साथ प्रधानमंत्री ने कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को नागरिकों तक पहुंचाने और जागरूकता पैदा करने के लिए सफलतापूर्वक एक तंत्र को स्थापित किया है।

महामारी के संकट के बीच भी इस कार्यक्रम ने लोगों को सूचित रखने और उन्हें टीका लगवाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत की वैक्सीन की कहानी की सफलता का श्रेय काफी हद तक मन की बात को जाता है। इसकी प्रासंगिकता और महत्व के लिए केवल यही पर्याप्त शब्द है। ■

(लेखक केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और खेल मंत्री हैं)

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया बीज संबंधी 'साथी पोर्टल' व मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ

कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित होगा साथी पोर्टल

बीज उत्पादन की चुनौतियों से निपटने, गुणवत्तापूर्ण बीज की पहचान और बीज प्रमाणीकरण के लिए बनाए गए 'साथी पोर्टल' व मोबाइल एप्लीकेशन को 19 अप्रैल को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लांच किया। उत्तम बीज-समृद्ध किसान की थीम पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एनआईसी ने इसे बनाया है। इस मौके पर श्री तोमर ने कहा कि भारत सरकार कृषि के समक्ष विद्यमान चुनौतियों और कठिनाइयों को विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से दूर करने की लगातार कोशिश कर रही है। साथी पोर्टल भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब इसका प्रयोग नीचे तक शुरू होगा तो कृषि के क्षेत्र में यह क्रांतिकारी कदम साबित होगा।

साथी पोर्टल गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली सुनिश्चित करेगा, बीज उत्पादन श्रृंखला में बीज के स्रोत की पहचान करेगा। इस प्रणाली में बीज श्रृंखला के एकीकृत 7 वर्टिकल शामिल होंगे— अनुसंधान संगठन, बीज प्रमाणीकरण, बीज लाइसेंसिंग, बीज सूची, डीलर से किसान को बिक्री, किसान पंजीकरण और बीज डीबीटी। वैध प्रमाणीकरण वाले बीज केवल वैध लाइसेंस प्राप्त डीलरों द्वारा केंद्रीय रूप से पंजीकृत किसानों को बेचे जा सकते हैं, जो सीधे अपने पूर्व-मान्य बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी प्राप्त कर सकते हैं। ■

जी20 की अध्यक्षता 'ग्लोबल कॉमन' के मुद्दों के समाधान के प्रधानमंत्री मोदीजी के संकल्प को दर्शाता है

-विकास आनन्द

वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप दुनिया में बढ़ती अन्योन्याश्रितता के कारन किसी भी राज्य के लिए अपने राष्ट्रीय हितों को अकेले साधना मुश्किल है। अब विदेश नीति में बहुपक्षवाद एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण बन गया है। विशेष रूप से 'ग्लोबल कॉमन' के मुद्दों के हल के लिए यह दृष्टिकोण अनिवार्य हो जाता है।

आज, जी20 एक प्रमुख बहुपक्षीय मंच बन गया है। इसने 'अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग' के एक मंच के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। इसका एजेंडा अब व्यापार, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और भ्रष्टाचार विरोधी जैसे मुद्दे भी इस मंच रखे जा रहे हैं।

भारत की जी-20 अध्यक्षता उद्देश्य का बेहतर दुनिया और बेहतर कल बनाना

इस वर्ष के लिए भारत को जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का अवसर मिला है। 17वें जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंडोनेशिया से 18वें जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की बागडोर ली। 'बेहतर दुनिया और बेहतर पृथ्वी' बनाने के लिए श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने शिखर सम्मेलन की थीम- 'एक पृथ्वी', एक परिवार, एक भविष्य' को रखा है। G20 प्रतीक को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में डिज़ाइन किया गया है। शिखर सम्मेलन का थीम और प्रतीक वैश्विक मुद्दों के समाधान के लिए भारतीय नेतृत्व के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। भारत की साल भर चलने वाली G20 अध्यक्षता 1 दिसंबर, 2022 को शुरू हुई, जो 30 नवंबर, 2023 तक जारी रहेगी।

जनवरी में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्लोबल साउथ के देशों के एक शिखर सम्मेलन को संबोधित किया जिसमें 125 विकासशील देशों ने भाग लिया। श्री मोदी ने आश्वासन दिया कि भारत की अध्यक्षता समावेशी और विकासशील देशों के लिए एक आवाज होगी। उन्होंने कहा कि तीन चौथाई मानवता ग्लोबल साउथ में रहती है। हमारी भी समतुल्य आवाज़ होनी चाहिए। इसलिए, जैसे-जैसे वैश्विक शासन का आठ

> भारत ने हमेशा ग्लोबल साउथ के अपने भाइयों के साथ अपने विकास संबंधी अनुभव को साझा किया है। हमारी विकास साझेदारी में सभी भौगोलिक और विविध क्षेत्र शामिल हैं। हमने महामारी के दौरान 100 से अधिक देशों को दवाओं और टीकों की आपूर्ति की। हमारे साझा भविष्य के निर्धारण में भारत हमेशा विकासशील देशों की बड़ी भूमिका के पक्ष में रहा है

दशक पुराना मॉडल धीरे-धीरे बदलता है, हमें उभरती हुई व्यवस्था को आकार देने का प्रयास करना चाहिए। अधिकांश वैश्विक चुनौतियां ग्लोबल साउथ द्वारा सृजित नहीं की गई हैं, लेकिन वे हमें प्रभावित अधिक करती हैं। हमने इसे कोविड महामारी, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और यहां तक कि यूक्रेन संघर्ष के प्रभावों में देखा है। समाधान की खोज में भी हमारी भूमिका या हमारी आवाज़ का कोई महत्व नहीं है। भारत ने हमेशा ग्लोबल साउथ के अपने भाइयों के साथ अपने विकास संबंधी अनुभव को साझा किया है। हमारी विकास साझेदारी में सभी भौगोलिक और विविध क्षेत्र शामिल हैं। हमने महामारी के दौरान 100 से अधिक देशों को दवाओं और टीकों की आपूर्ति की। हमारे साझा भविष्य के निर्धारण में भारत हमेशा विकासशील देशों की बड़ी भूमिका के पक्ष में रहा है।

इस लेख के लिखे जाने तक जी20 की 100 बैठकें 41 शहरों में आयोजित की जा चुकी हैं, जिसमें 28 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। जी-20 के आयोजनों के दौरान भारत ने अपनी विविध समृद्ध संस्कृति, समावेशी परंपरा, उभरते हुए भारत की आध्यात्मिक और भौतिक शक्ति को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 7,000 से अधिक कलाकारों की भागीदारी के साथ स्थानीय और राष्ट्रीय कला रूपों की विशेषता वाले 150 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत की जी20 अध्यक्षता को 'पीपुल्स G20' में बदलने के लिए पूरे राष्ट्र और पूरे समाज के दृष्टिकोण में सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी के साथ-साथ कई जनभागीदारी गतिविधियों को भी आयोजित किया जा रहा है। व्यक्तिगत रूप से भागीदारी अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी में से एक है। अब तक 110 से अधिक राष्ट्र के 12,300 से अधिक प्रतिनिधियों ने जी20 से संबंधित बैठकों में भाग लिया है। इसमें जी20 सदस्यों, 9 आमंत्रित देशों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी शामिल है। लेख को लिखे जाने के समय तक 28 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कवर करते हुए 41 शहरों में जी20 की 100 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। व्यापारियों, वैज्ञानिकों आदि

समूहों के सम्मलेन के अलावा अन्य समूह जैसे कि यूथ20 (Y20), और सिविल20 (C20) की बैठकें आयोजित का जा रही हैं। इन संवादों के माध्यम से दुनिया भारत के गतिशील और आकांक्षापूर्ण युवाओं के साथ विचारों का आदान-प्रदान कर रहा है, जो देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, और देश के विकास के गाथा को लिखने में मदद कर रहा है और दुनिया के नेता भी देख रहे हैं कि भारत में नागरिक देश-समाज कितना जीवंत है और देश में लोकतंत्र को और गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

जी20 प्रेसीडेंसी और भारत का उभरता बहुपक्षीय नीति

यदि हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर नीतियों पर दृष्टि डाले तो पता चलता है कि भारत अब केवल एक नियम का अनुसरण करने वाला या नियम अवरोधक नहीं है; यह एक नियम को आकार देने वाले या नियम को प्रभावित करने वाले के देश के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पड़ोसी-पहले की नीति का पालन करते हुए सार्क नेताओं और मॉरीशस के प्रधानमंत्री को नई दिल्ली में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। भारत ने इस इशारे के माध्यम से, दक्षिण एशिया क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को गहरा करने के अपने इरादे को प्रदर्शित किया।

श्री मोदी का दृष्टिकोण अधिक यथार्थवादी और साझेदारी उन्मुख है। दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण को तेज गति देते हुए, पीएम मोदी ने समूह BBIN (बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल) की शुरुआत की, जो सड़क संपर्क, सीमाओं को कागज रहित बनाने और क्षेत्र में अन्य संपर्क परियोजनाओं में सहयोग बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है। भारत के आर्थिक और सुरक्षा हितों को हासिल करने के लिए मोदी बहु-संरेखण (multialignment) पर अधिक भरोसा करते हैं। QUAD के अलावा भारत और अमेरिका, इज़राइल और UAE ने एक चतुर्भुज संरेखण I2U2 (भारत, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका) का गठन किया।

COVID-19 महामारी के दौरान भारत ने एक विश्वनेता के जिम्मेदारी का प्रदर्शन किया। अपनी 'वैक्सीन मैत्री' पहल के माध्यम से इसने 150 देशों को चिकित्सा सहायता और टीके प्रदान किए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व अवर महासचिव और कांग्रेस नेता श्री शशि थरूर ने वैक्सीन कूटनीति पर कहा, "भारत ने दुनिया के सबसे गरीब देशों में टीके को आसानी से उपलब्ध कराके अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है। यह प्रयास एक दिन भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की सीट के साथ मान्यता प्राप्त कराने में मदद कर सकता है।

> **G20 शिखर सम्मेलन में भारत का नेतृत्व संरक्षणवादी प्रवृत्तियों से बचाने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि ग्लोबल साउथ की विकास संभावनाओं को नुकसान न पहुंचे, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली अधिक समावेशी हो। दुनिया के बहुपक्षीय मंचों में भारत मुखर भागीदारी और ग्लोबल कॉमन के मुद्दों के समाधान के लिए प्रधानमंत्री दृष्टिकोण से पता चलता है कि भारत एक बड़ी वैश्विक भूमिका निभाने के लिए तैयार है**

अंतरराष्ट्रीय संगठनों में पीएम मोदी की कूटनीति की महत्वपूर्ण विशेषताओं में है उत्तर-भौतिकता के मुद्दों को अधिक मुखरता से पेश करना है।

मोदी सरकार ने 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता देने का विचार प्रस्तावित किया। 175 सदस्य देशों के समर्थन से भारत ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करते हुए UNGA में प्रस्ताव पेश किया। यह UNGA के किसी भी प्रस्ताव के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या थी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया। भारत मिलेट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कई स्वास्थ्य लाभों के अलावा, बाजरा को कम पानी की आवश्यकता होती है इसलिए यह पर्यावरण के लिए भी अच्छा होता है।

जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों में भारत वैश्विक एजेंडा निर्धारित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। 'वन अर्थ, वन हेल्थ' के विजन के माध्यम से श्री मोदी ने सभी देशों से स्थायी जीवन शैली अपनाने का आग्रह किया।

अंतरराष्ट्रीय सौर संगठन जैसे पहल और 2022 तक भारत में सभी एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने की मोदी की अभूतपूर्व प्रतिज्ञा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च सम्मान, 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

जी20 की अध्यक्षता से पता चलता है कि भारत का बहुपक्षीय दृष्टिकोण समय के अनुसार और नेतृत्व की प्राथमिकताओं में बदलाव के जवाब में विकसित हुआ है। G20 शिखर सम्मेलन में भारत का नेतृत्व संरक्षणवादी प्रवृत्तियों से बचाने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि ग्लोबल साउथ की विकास संभावनाओं को नुकसान न पहुंचे, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली अधिक समावेशिता हो। दुनिया के बहुपक्षीय मंचों में भारत मुखर भागीदारी और ग्लोबल कॉमन के मुद्दों के समाधान के लिए प्रधानमंत्री दृष्टिकोण से पता चलता है कि भारत एक बड़ी वैश्विक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। ■

बुद्ध की चेतना शाश्वत है: नरेन्द्र मोदी

अगर दुनिया ने बुद्ध की शिक्षाओं का पालन किया होता, तो उसे जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना नहीं करना पड़ता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अप्रैल को नई दिल्ली स्थित होटल अशोक में विश्व बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया और बुद्ध प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने उन्नीस प्रतिष्ठित भिक्षुओं को भिक्षु वस्त्र (चीवर दान) भी भेंट किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने विश्व बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में दुनिया के विभिन्न हिस्से से आए सभी लोगों का स्वागत किया। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि 'अतिथि देवो भव' यानी 'मेहमान भगवान के समान होते हैं' की भावना, बुद्ध की इस भूमि की परंपरा है और बुद्ध के आदर्शों के अनुरूप जीवन जीने वाले इतने सारे विभूतियों की उपस्थिति हमें स्वयं बुद्ध के हमारे आसपास होने का अनुभव कराती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बुद्ध व्यक्ति से आगे बढ़कर, एक बोध हैं।

श्री मोदी ने कहा कि बुद्ध एक अनुभूति हैं जो व्यक्ति से आगे बढ़कर है, वे एक सोच हैं जो स्वरूप से आगे बढ़कर है और बुद्ध चित्रण से आगे बढ़कर एक चेतना हैं। उन्होंने कहा कि बुद्ध की यह चेतना शाश्वत है। श्री मोदी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े इतने सारे लोगों की उपस्थिति बुद्ध के प्रसार का प्रतिनिधित्व करती है जो मानवता को एक सूत्र में बांधती है।

उन्होंने दुनिया के कल्याण के लिए वैश्विक स्तर पर भगवान बुद्ध के करोड़ों अनुयायियों की सामूहिक इच्छा और संकल्प की ताकत को भी रेखांकित किया। इस अवसर के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहला विश्व बौद्ध शिखर सम्मेलन सभी देशों के प्रयासों के लिए एक प्रभावी मंच तैयार करेगा। उन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए संस्कृति मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ को धन्यवाद दिया।

श्री मोदी ने बौद्ध धर्म के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव पर प्रकाश डाला। उनका गृहक्षेत्र वडनगर एक प्रमुख बौद्ध केन्द्र रहा है। ह्वेन त्सांग ने वडनगर का दौरा किया था। बौद्ध विरासत के साथ जुड़ाव को और गहरा करते हुए श्री मोदी ने सारनाथ के संदर्भ में काशी का जिक्र भी किया।

उन्होंने कहा कि समस्या से समाधान तक पहुंचने की यात्रा ही बुद्ध की वास्तविक यात्रा है। भगवान बुद्ध की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने दोहराया कि उन्होंने अपने महलों के जीवन और साम्राज्य को इसलिए त्याग दिया, क्योंकि उन्हें दूसरों के जीवन का दर्द महसूस हुआ। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक सुखी विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करने का एकमात्र तरीका यह है कि स्व से निकलकर संसार और संकुचित सोच को त्यागकर समग्रता के बुद्ध के मंत्र को अपनाया जाए।

> 'अतिथि देवो भव' यानी 'मेहमान भगवान के समान होते हैं' की भावना, बुद्ध की इस भूमि की परंपरा है और बुद्ध के आदर्शों के अनुरूप जीवन जीने वाले इतने सारे विभूतियों की उपस्थिति हमें स्वयं बुद्ध के हमारे आसपास होने का अनुभव कराती है

बुद्ध का मार्ग भविष्य का मार्ग और स्थिरता का मार्ग है

श्री मोदी ने कहा कि बुद्ध का मार्ग भविष्य का मार्ग और स्थिरता का मार्ग है। अगर दुनिया ने बुद्ध की शिक्षाओं का पालन किया होता, तो उसे जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना नहीं करना पड़ता। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संकट इसलिए आया, क्योंकि कुछ देशों ने दूसरों और आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचना बंद कर दिया। यह गलती विनाशकारी अनुपात में जमा हुई। बुद्ध ने व्यक्तिगत लाभ के बारे में सोचे बिना अच्छे आचरण अपनाने का उपदेश दिया, क्योंकि ऐसा व्यवहार समग्र कल्याण की ओर ले जाता है।

अपने संबोधन का समापन करते हुए श्री मोदी ने भौतिकवाद और स्वार्थ की परिभाषाओं से बाहर आने और 'भवतु सब मंगलन' की भावना को आत्मसात करने की जरूरत पर जोर दिया, यानी बुद्ध को प्रतीक ही नहीं बल्कि विचार भी बनाना चाहिए।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री किरेन रीजीजू, केन्द्रीय संस्कृति राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल एवं श्रीमती मीनाक्षी लेखी और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महासचिव डॉ. धम्मपिया इस अवसर पर उपस्थित थे। ■

'तमिल संस्कृति और तमिल लोग दोनों शाश्वत और वैश्विक प्रकृति के हैं'

तमिल दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है। इस पर हर भारतीय को गर्व है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अप्रैल को अपने मंत्रिमंडल के सहयोगी डॉ. एल मुरुगन के निवास पर आयोजित तमिल नव वर्ष समारोह में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने पुत्तांडु मनाने के लिए तमिल भाई-बहनों के बीच उपस्थित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। समारोह में श्री मोदी ने कहा कि पुत्तांडु प्राचीन परंपरा में नवीनता का पर्व है। इतनी प्राचीन तमिल संस्कृति और हर साल पुत्तांडु से नई ऊर्जा लेकर आगे बढ़ते रहने की यह परंपरा अद्भुत है।

प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से उनके द्वारा बताए गए पंच प्राणों में से एक को याद करते हुए कहा कि मैंने आजादी के 75 साल पूरे होने पर लाल किले से अपनी विरासत पर गर्व करने की बात कही थी। जो चीज जितनी प्राचीन होती है, वह उतनी ही अधिक समय की कसौटी पर खरी उतरती है। इसीलिए, तमिल संस्कृति और तमिल लोग दोनों शाश्वत और साथ ही वैश्विक प्रकृति के हैं। चेन्नई से कैलिफोर्निया तक, मदुरै से मेलबर्न तक, कोयम्बटूर से केपटाउन तक, सलेम से सिंगापुर तक, आप पाएंगे कि तमिल लोग अपने साथ अपनी संस्कृति और परंपरा लेकर आए हैं।

श्री मोदी ने आगे कहा कि चाहे पोंगल हो या पुत्तांडु, पूरी दुनिया में इनकी छाप है। तमिल दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है। इस पर हर भारतीय को गर्व है। तमिल साहित्य का भी व्यापक रूप से सम्मान किया जाता है। तमिल फिल्म उद्योग ने हमें कुछ सबसे प्रतिष्ठित क्षण दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम में तमिल लोगों के महान योगदान को याद किया और आजादी के बाद देश के विकास में तमिल लोगों के योगदान को भी रेखांकित किया। सी. राजगोपालाचारी, के. कामराज, डॉ. कलाम जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि चिकित्सा, कानून और शिक्षा के क्षेत्र में तमिल लोगों का योगदान अतुलनीय है।

संबोधन की मुख्य बातें

- पुत्तांडु प्राचीन परंपरा में नवीनता का पर्व
- तमिल दुनिया की सबसे पुरानी भाषा, हर भारतीय को इस पर गर्व
- तमिल संस्कृति में ऐसा बहुत कुछ है जिसने एक राष्ट्र के रूप में भारत को आकार दिया है
- तमिल लोगों की निरंतर सेवा करने की भावना मुझमें नई ऊर्जा भरती है
- काशी तमिल संगमम् में हमने प्राचीनता, नवीनता और विविधता को एक साथ सेलिब्रेट किया
- मैं मानता हूं, तमिल लोगों के बिना काशीवासियों का जीवन अधूरा है और मैं काशीवासी हो गया हूं और काशी के बिना तमिल लोगों का जीवन अधूरा है

भारत दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र

श्री मोदी ने दोहराया कि भारत दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई ऐतिहासिक संदर्भ हैं। एक महत्वपूर्ण संदर्भ तमिलनाडु है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के उतिरमेरुर में 1100 से 1200 साल पुराना एक शिलालेख है, जिसमें देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की झलक दिखती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिल संस्कृति में बहुत कुछ है जिसने भारत को एक राष्ट्र के रूप में आकार दिया है।

श्री मोदी ने हाल ही में हुए काशी तमिल संगमम् की सफलता पर गहरा संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम में हमने प्राचीनता, नवीनता और विविधता को एक साथ सेलिब्रेट किया। संगमम् में तमिल अध्ययन पुस्तकों के प्रति उत्साह का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हिंदी भाषी क्षेत्र में और वो भी इस डिजिटल युग में तमिल पुस्तकों को इस तरह पसंद किया जाता है, जो हमारे सांस्कृतिक बंधन को दर्शाता है। तमिलों के बिना काशीवासियों का जीवन अधूरा है, मैं काशीवासी हो गया हूं और मैं मानता हूं कि तमिलों का जीवन भी काशी के बिना अधूरा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज़ादी के अमृतकाल में हमारी ये ज़िम्मेदारी है कि हम अपनी तमिल विरासत के बारे में जानें और देश और दुनिया को गर्व के साथ बताएं। ये विरासत हमारी एकता और, 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का प्रतीक है। अपनी बात समाप्त करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमें तमिल संस्कृति, साहित्य, भाषा और तमिल परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाना है। ■

अजमेर और दिल्ली कैंट के बीच राजस्थान की पहली 'वंदे भारत एक्सप्रेस' का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान की पहली 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने वीर भूमि राजस्थान को अपनी पहली वंदे भारत ट्रेन मिलने पर बधाई दी, जो न केवल जयपुर-दिल्ली के बीच यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि राजस्थान के पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा देगी, क्योंकि यह तीर्थराज पुष्कर और अजमेर शरीफ जैसी आस्था के स्थलों तक पहुंचने में मदद करेगी।

श्री मोदी ने याद करते हुए कहा कि पिछले दो महीनों में दिल्ली-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सहित देश में छह वंदे भारत ट्रेनों को झंडी दिखाने का अवसर मिला है। उन्होंने मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस, मुंबई-

शिर्डी वंदे भारत एक्सप्रेस, रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस, सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस और चेन्नई कोयम्बटूर वंदे भारत एक्सप्रेस का उदाहरण दिया।

प्रधानमंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत के बाद से लगभग 60 लाख नागरिकों ने इससे यात्रा की है। श्री मोदी ने कहा कि वंदे भारत की गति इसकी मुख्य विशेषता है और यह लोगों के समय की बचत कर रही है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि वंदे भारत एक्सप्रेस को विनिर्माण कौशल, सुरक्षा, तेज गति और सुंदर डिजाइन को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। यह दोहराते हुए कि नागरिकों ने वंदे भारत एक्सप्रेस की बहुत सराहना की है, श्री मोदी ने कहा कि एक्सप्रेस ट्रेन भारत में विकसित की जाने वाली पहली अर्ध-स्वचालित ट्रेन है और दुनिया की पहली सुगठित और कुशल ट्रेनों में से एक है।

उन्होंने कहा कि वंदे भारत पहली ट्रेन है, जो स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली, कवच के अनुकूल है। श्री मोदी ने बताया कि यह पहली ट्रेन है, जो बिना किसी अतिरिक्त इंजन की आवश्यकता के सह्याद्री घाटों की ऊंचाइयों को पार कर सकती है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 12 अप्रैल, 2023 को जयपुर और दिल्ली कैंट के बीच चलने वाली राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 13 अप्रैल, 2023 को राष्ट्रीय रोजगार मेला के तहत 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 13 अप्रैल, 2023 को तमिल नववर्ष समारोह के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

संसद भवन (नई दिल्ली) में 14 अप्रैल, 2023 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गुवाहाटी (असम) में 14 अप्रैल, 2023 को बिहू समारोह के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 20 अप्रैल, 2023 को वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन 2023 के दौरान भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**

36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23

Licence to Post without Prepayment

Licence No. U(S)-41/2021-23

आवरण: अजय कुमार सिंह